मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

भोपाल, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 ■ वर्ष : 36 ■ अंक : 222 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1 रु. www.amritdarshan.com Email : amritdarshan@yahoo.com RNI NO. 50259/90

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिले अमित शाह

गृह मंत्री बोले- जनता लालू यादव का जंगलराज वापस नहीं लाएगी

पटना ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की है। आज सुबह 10:57 बजे सीएम नीतीश से मुलाकात करने पटना के अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। करीब 18 मिनट बाद दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। इसके बाद गृह मंत्री एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से वह छपरा के तरैया के लिए निकल गए। वहां पर वह जनसभा को संबोधित करेंगे।

इधर, पटना में उन्होंने एनडीए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार में इस बार एनडीए को ऐतिहासिक जीत मिलेगी। उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद पर हमला बोलते हुए कहा कि चाहे केंद्र में हो या राज्य में, लालू यादव जहां भी सत्ता में रहे, वहां जमकर भ्रष्टाचार किया। 21वीं सदी में बिहार की जनता कभी भी लालू यादव का जंगलराज वापस नहीं लाएगी। लालू यादव को रोड, पुल, पानी, आवास पर चर्चा करना शोभा नहीं देता, उन्हें केवल अपने जंगलराज, अपहरण, फिरौती,

वसूली पर चर्चा करनी चाहिए।

सीएम नीतीश कुमार और गृह मंत्री अमित शाह को लेकर बताया जा रहा है कि एनडीए में सीट बंटवारे के बाद सीएम नीतीश कुमार अपने खाते की कुछ सीटे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी को मिलने से नाराज हो गए थे। इसके बाद उन्होंने सीएम हाउस में भाजपा और जदयू के वरिष्ठ नेताओं की अलग-अलग बैठक भी बुलाई थी। इस बैठक के बाद ही भाजपा और जदयू ने अपने अपने उम्मीदवार उतारे। उस वक्त भी यह बात सामने आई थी कि गृह मंत्री अमित शाह पटना आते ही मुलाकात करेंगे। आज दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हो गई। बैठक के दौरान गृह मंत्री ने बिहार चुनाव की तैयारी, प्रचार प्रसार समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि आगामी चुनाव को लेकर यह मुलाकात हुई। एनडीए में सबकुछ ठीक है। सबलोग एकजुट हैं। हमलोगों को जनता ने आशीर्वाद दिया है।

सीएम डॉ. मोहन आज फिर बिहार दौरे पर

गया और हिसुआ में भरेंगे हुंकार

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज फिर बिहार दौरे पर हैं। वे चुनाव प्रचार के लिए दूसरे दिन भी बिहार दौरे पर रहेंगे। सीएम आज

शुक्रवार को दो विधानसभा क्षेत्र गया और हिसुआ में हुंकार भरेंगे। सीएम डॉ. यादव आज बिहार विधानसभा के गया और हिसुआ में प्रचार करेंगे। वे गया विधानसभा क्षेत्र में गांधी मैदान स्डेटियम और हिसुआ विधासनभा में बागोदर हाईस्कूल में जनसभा को संबोधित करेंगे। बता दें कि सीएम डॉ. मोहन ने 16 अक्टूबर को भी बिहार में चुनाव प्रचार किया था। कल सीएम ने बिहार के कुम्हरार और बिक्रम विधानसभा क्षेत्रों में जनसभा की थी। कुम्हरार में भाजपा प्रत्याशी संजय गुप्ता और बिक्रम विधानसभा के उम्मीदवार सिद्धार्थ सौरभ के समर्थन में वोट की अपील की थी। बता दें कि बिहार में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने है। 6 नवंबर को पहले चरण में 121 सीटों पर और 11 नवंबर को दूसरे चरण में 122 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं 14 नवंबर को रिजल्ट घोषित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल के पिपलानी में युवती पर 'एसिड अटैक', हिरासत में संदिग्ध

भोपाल। पिपलानी क्षेत्र में बाइक सवार कुछ युवकों ने चलती गाड़ी में एक युवती, सुकन्या साहू, पर एसिड अटैक का प्रयास किया। घटना के दौरान एसिड के कुछ छींटे युवती के चेहरे पर पड़ गए, जिससे वह झुलस गई। आनन-फानन में उसे इलाज के लिए नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पिपलानी पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू करते हुए एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हमलावर बाइक पर सवार थे और उन्होंने जानबूझकर युवती को निशाना बनाया। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है, जिसमें हमले के पीछे का मकसद और आरोपियों की पृष्ठभूमि शामिल है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर गुस्सा और डर का माहौल है। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और आश्वासन दिया है कि दोषियों को जल्द पकड़ लिया जाएगा। मामले की गहन जांच जारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर लिया संज्ञान

नई दिल्ली। देशभर में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट स्कैम के मामलों पर अब सुप्रीम कोर्ट ने स्वत : संज्ञान लेते हुए सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार, सीबीआई, हरियाणा सरकार और अंबाला के साइबर क्राइम विभाग को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायाधीशों के फर्जी हस्ताक्षरों के साथ जारी किए गए फर्जी न्यायिक आदेश न्याय प्रणाली में जनता के विश्वास की नींव को हिला देते हैं। यह कार्य न केवल कानून के शासन पर हमला है बल्कि न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा प्रहार भी है। यह कार्रवाई उस शिकायत के बाद हुई जिसमें एक वरिष्ठ नागरिक दंपति से पिछले महीने डिजिटल अरेस्ट स्कैम के जरिए उनकी जीवनभर की बचत ठगी गई थी। इस गंभीर घटना को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने खुद इस पर संज्ञान लिया।

बेंगलुरु में इंजीनियरिंग कॉलेज के वॉशरूम में छात्रा से रेप

नई दिल्ली। बेंगलुरु से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज के कैंपस में एक युवक ने अपनी ही दोस्त के साथ रेप की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसने लड़की के साथ शैचालय में इस वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी की पहचान जीवन गौड़ा के तौर पर हुई है। वह छठे समेस्टर का छात्र है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। अभी तक की जानकारी के अनुसार, आरोपी छात्र को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामला के सामने आने के बाद लोग हैरान हैं।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का आत्मसमर्पण

208 ने डाले हथियार, हाथों में पकड़ी संविधान की कॉपी

लाल आतंक से मुक्त हुआ उत्तरी बस्तर

रायपुर ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ में नक्सल के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एक साथ 208 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 110 महिलाएं और 98 पुरुष शामिल हैं, जो प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के विभिन्न रैंकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। सभी नक्सलियों ने ने 153 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है। दरअसल, सरकार छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का सफाया करने पर लग गई है। नक्सलियों के सफाया के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की है। इस कड़ी में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में नक्सिलियों का सरेंडर नक्सल विरोधी अभियान के लिए बड़ी सफलता है। अब वो पुनर्वास की प्रक्रिया से गुजरेंगे। बस्तर के जगदलपुर में 208 नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया और मुख्यधारा में शामिल होने के लिए अपने हथियार डाल दिए। उनके हाथों में भारत के संविधान की प्रति थी।

अधिकारियों ने बताया कि इससे अबूझमाड़ का अधिकांश हिस्सा नक्सली प्रभाव से मुक्त हो जाएगा और उत्तरी बस्तर में लाल आतंक का अंत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अब केवल दक्षिणी बस्तर ही बचा है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उत्तर बस्तर और अबूझमाड़ क्षेत्र नक्सल हिंसा से पूरी तरह मुक्त हो गए हैं जबकि दक्षिण बस्तर में यह लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को 120 नक्सली आत्मसमर्पण के लिए बीजापुर पहुंचे, जबकि बुधवार को 50 नक्सली कांकेर जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शिविर में पहुंचे थे। बताया गया कि ये सभी 170 नक्सली शुक्रवार को जगदलपुर में मुख्यमंत्री साय के समक्ष औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण करेंगे।

दो सबसे प्रभावित क्षेत्रों को नक्सल मुक्त घोषित किया

इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि पिछले दो दिनों में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में 258 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। गृहमंत्री ने छत्तीसगढ़ के दो सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों को नक्सल मुक्त घोषित किया। शाह ने बताया कि पिछले दो दिन में कुल 258 वामपंथी उग्रवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में यह एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

माओवादी संगठन का करते थे प्रतिनिधित्व

अधिकारियों के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले समूह में 110 महिलाएं और 98 पुरुष शामिल हैं, सरेंडर करने वाले नक्सली भाकपा (माओवादी) संगठन के विभिन्न रैंकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनमें एक केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम), चार दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति (डीकेएसजेडसी) सदस्य, एक क्षेत्रीय समिति सदस्य, 21 संभागीय समिति सदस्य (डीवीसीएम), 61 क्षेत्रीय समिति सदस्य (एसीएम), 98 पार्टी सदस्य और 22 पीएलजीए/आरपीसी/अन्य कार्यकर्ता शामिल हैं।

नक्सलियों के पास मिले ये हथियार

नक्सल विरोधी अभियान के दौरान, माओवादियों ने 153 हथियार पुलिस को सौंपे, जिनमें 19 एके-47 राइफलें, 17 एसएलआर राइफलें, 23 इंसास राइफलें, एक इंसास एलएमजी, 36 .303 राइफलें, चार कार्बाइन, 11 बीजीएल लांचर, 41 बारह-बोर या सिंगल-शॉट बंदूकें और एक पिस्तौल शामिल हैं।

गुजरात में नई कैबिनेट

हर्ष संघवी डिप्टी सीएम 26 मंत्रियों ने शपथ ली

19 नए चेहरे | कल 16 मंत्रियों से इस्तीफा लिया

गांधीनगर ■ एजेंसी

गुजरात में भूपेंद्र पटेल सरकार की नई कैबिनेट ने शपथ ली। 26 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। इनमें 3 महिलाएं हैं। पटेल समाज से सीएम समेत 8 मंत्री होंगे। 8 ओबीसी, 3 एसी, 4 एसटी और 3 महिलाएं हैं। 19 नए चेहरे हैं। सबसे पहले हर्ष संघवी ने शपथ ली। उन्हें डिप्टी सीएम बनाया गया है। पहले वे राज्य के गृह मंत्री थे। क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा को भी मंत्री बनाया गया है। इससे पहले गुरुवार को सभी 16 मंत्रियों ने सीएम को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। इस फेरबदल को राज्य में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी से जोड़ा जा रहा है। गुजरात कैबिनेट में सीएम समेत 17 मंत्री थे, जिसमें 8 कैबिनेट और 8 राज्य मंत्री थे। अब यह संख्या बढ़कर 26 हो गई है।

इस बड़े फेरबदल में खासतौर से जातीय और क्षेत्रीय संतुलन का ध्यान रखा गया। विभिन्न इलाकों से कैबिनेट और राज्य मंत्रियों का चयन श्रेणीबद्ध तरीके से किया गया। कुछ पूर्व कांग्रेस नेताओं को बीजेपी में शामिल होने के बाद मंत्री बनने का मौका मिला है। यह मंत्रिमंडल विस्तार 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी का हिस्सा है, जिसमें नई ऊर्जा लाने और पार्टी संगठन को मजबूत करने का लक्ष्य है। यह बड़ा राजनीतिक फेरबदल गुजरात में बीजेपी की पकड़ मजबूत करने के लिए किया गया। इसके साथ ही, युवाओं को ज्यादा जिम्मेदारी देकर पार्टी को और मजबूती दी गई। इस तरह की टीम में बदलाव से सरकार के कामकाज में नयापन आएगा और पार्टी भविष्य के लिए बेहतर रणनीति बना पाएगी।

सिवनी में फिर पुलिस शर्मसार

हेड कांस्टेबल घूस लेते गिरफ्तार एसपी ने तत्काल किया सस्पेंड

सिवनी ■ अमृत दर्शन

जिला एक बार फिर पुलिसकर्मियों में भ्रष्टाचार को लेकर सुर्खियों में है। यहां लोकायुक्त पुलिस ने केवलारी थाने में तैनात हेड कांस्टेबल मनीष पटवा को 75 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि ठेकेदार नितिन पाटकर ने केवलारी में रोड और नाली निर्माण का ठेका लिया था और पेटी पर काम राहुल राय को दे दिया। राहुल राय ने घटिया काम करके पैसों की धोखाधड़ी की, जिसकी शिकायत नितिन पाटकर ने केवलारी थाने में की। इस मामले में एफआईआर दर्ज करने

हवाला लूट कांड में पहले ही गिर चुकी है 11 पुलिसकर्मियों पर गाज

के लिए हेड कांस्टेबल ने रिश्वत मांगी और रंगे हाथ पकड़ा गया। 35 लाख की सड़क परियोजना में धोखाधड़ी और घटिया काम से जुड़ा यह पूरा मामला है। कांस्टेबल मनीष पटवा ने सिविल ठेकेदार से 5 लाख की रिश्वत की डिमांड की थी। पहली किस्त के रूप में 75 हजार लेते हुए पकड़ा गया।

कफ सिरप कांड में बड़ी कार्रवाई

छिंदवाड़ा : श्रीसन फार्मा की केमिकल एनालिस्ट 3 दिन की रिमांड पर

छिंदवाड़ा ■ अमृत दर्शन

जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में बड़ी कार्रवाई जारी है। तमिलनाडु से गिरफ्तार श्रीसन फार्मा की केमिकल एनालिस्ट के. माहेश्वरी को पुलिस ने तीन दिन की रिमांड पर लिया है। विशेष जांच दल (एसआईटी) बुधवार देर शाम माहेश्वरी को परासिया लेकर पहुंची थी। गुरुवार को न्यायालय में पेश किए जाने के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शैलेन्द्र उईके ने तीन दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, श्रीसन फार्मा कंपनी में कफ सिरप की गुणवत्ता जांच की जिम्मेदारी माहेश्वरी पर थी, लेकिन जांच प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही बरतने के कारण अमानक सिरप बाजार में पहुंच गया, जिससे कई बच्चों की किडनी फेलियर से मौत हो गई। वहीं, कोल्ड्रिफ कफ सिरप के होलसेलर और रिटेलर की दो दिन की रिमांड खत्म होने पर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। यहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

हरिओम के परिवार से मिले राहुल गांधी

हाथ थामकर बंधाया ढांढस

फतेहपुर ■ एजेंसी

यूपी के फतेहपुर जिले में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार की सुबह रायबरेली के ऊंचाहार में मॉब लिंचिंग का शिकार हुए हरिओम

वाल्मीकि के परिवार से काफी देर तक मुलाकात की। इस दौरान हरिओम के परिजन राहुल से मिलकर भावुक हो गए। बेटे हरिओम को खोने के बाद परिवार सदमे में है। राहुल गांधी ने संवेदना व्यक्त की और परिवार के सदस्यों का हाथ अपने हाथ में थाम लिया। मार्मिक मुलाकात के दौरान राहुल ने हरिओम के पिता को गले भी लगाया। कांग्रेस नेता के सामने हरिओम की मां फूट-फूटकर रोने लगीं। इसपर राहुल ने उनका हाथ थामकर ढांढस बंधाया। सुबह जब कांग्रेस नेता मृतक हरिओम के घर पहुंचे तो शोकाकुल परिवार सदमे में डूबा था। राहुल गांधी ने हरिओम के पिता का न केवल हाथ थामा बल्कि उन्हें गले भी लगाया। हरिओम की मां के सामने भी राहुल गांधी भी भावुक हो गए। राहुल गांधी ने परिवार को न्याय दिलाने और हर कदम पर उनका साथ देने का आश्वासन दिया।

अंतर्मना उवाच

समय सब कुछ बदल देता है..जरूरत सिर्फ सब्र की है..!

- ***जीवन कैसे जीयें*** *-- ये रामायण से सीखें।*
- ***जीवन कैसे ना जीयें*** *-- ये महाभारत से सीखें।*
- ***जीवन कैसे सँवारे*** *-- ये जैन दर्शन की गीता से सीखें (तत्वार्थ सूत्र)।*

भारतीय परम्परा में संतान को कुल दीपक कहा जाता है क्योंकि वह कुल को प्रकाशित करता है। *लेकिन जब कोई कुल दीपक दीक्षा ले लेता है, तो वह कुल दीपक नहीं फिर वह* ***आकाश - दीप*** *बन जाता है। और* ***आकाश दीप एक का नहीं वह तो सबका अपना होता है क्योंकि वह सबको प्रकाशित करता है।*** *आकाश-दीप केवल एक समाज का नहीं, अपितु समूचे राष्ट्र और विश्व का दीप है। इसलिए* ***नई पीढ़ी को अच्छी शिक्षा के साथ, धार्मिक संस्कार एवं जीवन मूल्यों की शिक्षा का पाठ जरूर पढ़ायें।***

यदि संस्कारों का पाठ नहीं पढ़ाया, तो हम उनसे भविष्य की कोई भी उम्मीद ना रखें। अन्यथा जो ये पीढ़ी करेगी, ना हम देख पायेंगे ना तुम सुन पाओगे। इसलिए ***मैं कह रहा हूँ- कि इस नई पीढ़ी को सुसंस्कार देकर, सुसंस्कृत बनायें।*** *यदि संस्कार की जड़ें मजबूत रहेगी तो आधुनिकता की आँधी, नई पीढ़ी के इस बट वृक्ष को कभी धराशायी नहीं कर पायेगी। अन्यथा* ***हम साँप को दूध पिला रहे...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

बिहार चुनाव डायरी-जगत शर्मा

पूर्व गृहमंत्री के प्रभार वाली सीट पर भितरघातियों का डर

पटना ■ अमृत दर्शन

बीते रोज भारतीय जनता पार्टी ने आगामी 6 नवंबर को पहले चरण में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इस सूची में भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के प्रभार वाली मुजफ्फरपुर नगर विधानसभा सीट पर भी प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। भारतीय जनता पार्टी ने इस सीट से पार्टी के जिला अध्यक्ष रहे रंजन कुमार को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। रंजन कुमार की उम्मीदवारी के

भितरघातियों से बिहार में निपटेंगे नरोत्तम मिश्रा

साथ ही उनके साथ टिकट की दावेदारी के लिए पैनल में शामिल पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा के समर्थक खासे नाराज दिखाई दिए। उन्होंने रंजन कुमार की उम्मीदवारी का खुलकर विरोध किया है, उनका कहना है कि मुजफ्फरपुर नगर विधानसभा सीट पर सबसे मजबूत दावेदार केवल पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा है, रंजन कुमार इस सीट के लिए उपयुक्त प्रत्याशी नहीं है, इससे पार्टी को नुकसान होने की संभावना है।

अब देखना यह होगा कि समन्वय में माहिर मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा चुनाव पूर्व ही दो धड़ों में बट चुके भाजपा प्रत्याशी रंजन कुमार और पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा के समर्थकों को किस प्रकार से एक कर पाने में सफल होते हैं। वहीं, बता दें कि मुजफ्फरपुर नगर विधानसभा सीट से वर्तमान में विधायक कांग्रेस के बृजेंद्र चौधरी हैं और उनका अच्छा खासा प्रभाव क्षेत्र में है, वहीं कांग्रेस ने फिर उन्हें चुनाव मैदान में उतार दिया है। इसे देखते हुए भी यह सीट बीजेपी की झोली में डालना काफी कठिन काम है। लेकिन इस तरह के काम पहले भी डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा कई बार कर चुके हैं, इससे पहले वह हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ जैसे तमाम राज्यों में अपने चुनावी मैनेजमेंट के चलते भारतीय जनता पार्टी को सफलता दिला चुके हैं।

लगातार जनसंपर्क और पार्टी की बैठकों में व्यस्त हैं डॉ. मिश्रा

मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा पिछले चार दिनों से बिहार में अपने प्रभार वाली मुजफ्फरपुर नगर विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं। वह लगातार पार्टी के वरिष्ठ और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर कर रणनीति बना रहे हैं। इसके साथ ही स्थानीय गुटबाजी पर भी गंभीरता से काम करते हुए कार्यकर्ताओं को एकजुट करने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं। गौरतलब है कि मुजफ्फरपुर नगर विधानसभा सीट कांग्रेस के खाते में अभी है ,और इसे भारतीय जनता पार्टी के पाले में करने की जिम्मेदारी पूर्व गृहमंत्री डॉ. मिश्रा को सौंपी गई है। इसके साथ ही उनके पास अन्य विधानसभा सीटों का प्रभार भी है, जो बिहार के राजनीतिक दृष्टिकोण से काफी चुनौती पूर्ण विधानसभा क्षेत्र हैं। डॉ. मिश्रा अपने प्रभार वाले विधानसभा क्षेत्रों में लगातार सतत संपर्क करते हुए रणनीतियां तैयार कर रहे हैं। जिसमें बैठकों का दौर जारी है फिलहाल वह अपने परिवार वाले विधानसभा क्षेत्र का लगातार दौरा करने में व्यस्त हैं।

संक्षिप्त समाचार

महाकाल मंदिर में मिलेंगे स्वास्थ्यवर्धक रागी के लड्डू, दीपावली से होगी शुरुआत

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर देश का पहला मंदिर रहेगा, जहां पर श्रीअन्नम् रागी लड्डू प्रसाद मिलेंगे। दीपावली पर श्री महाकालेश्वर को भोग लगाकर इसकी शुरुआत की जाएगी। रागी के लड्डू में ड्रायफ्रूट मिलाकर महाकाल मंदिर से ही बेचा जाएगा। खास बात ये कि मंदिर समिति लड्डुओं को नो प्रॉफिट-नो लॉस में बेचेगी। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि इसी दिवाली से रागी के लड्डुओं की शुरुआत की जाएगी। फिलहाल लड्डू अन्न क्षेत्र में बनाए जाएंगे, श्रद्धालुओं के सेहत को ध्यान में रखते हुए रागी के लड्डुओं का निर्णय लिया गया है। जिसे महाकाल मंदिर समिति देसी घी गुड़ और ड्रायफ्रूट से बनवाएगी। यह लड?डू मंदिर के सभी दान काउंटर के पास श्रद्धालुओं को मिल सकेगा। फिलहाल प्रति माह 50 क्विंटल बनाने की योजना है। हड्डियों को मजबूती रागी में कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस होता है, जो हड्डियों को मजबूत करता है। इससे आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया को रोकने में मदद मिलती है। रागी के लड्डू ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक हो सकते हैं।

देवरी में 10 लीटर जहरीली शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

सागर। सागर की देवरी पुलिस ने नेशनल हाईवे-44 पर दस लीटर जहरीली शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाने लाकर उससे पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी करीब 7 माह पहले मोतीनगर थाना क्षेत्र में स्मैक की तस्करी करते पकड़ाया था। मामले में जमानत पर बाहर आया था। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि शिवधाम मंदिर के आगे छोटू लोधी के बंद टपरा के पास फोर लाइन पर एक युवक शराब बेच रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी हाथ में लिया थैला लेकर भागने लगा। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम राकेश उर्फ भजिया पिता भगवान सिंह लोधी (34) निवासी ग्राम धुलतरा होना बताया। उसके पास से प्लास्टिक के थैले में सफेद रंग की कुपिया बरामद हुई। जिसमें कच्ची और पुरानी शराब थी जो यूरिया से बनाई गई है। कुपी का ढक्कन खोलने पर विषैली गंध आ रही थी। उक्त कुपी को ढक्कन से बंद किया गया। देवरी थाने के प्रधान आरक्षक मनोज मिश्रा ने बताया कि कार्रवाई में 10 लीटर जहरीली शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। थाने लाकर उसके खिलाफ आबकारी एक्ट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

अशोकनगर में अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान की मौत

अशोकनगर। अशोकनगर नईसराय थाना क्षेत्र के अखाई गांव के पास एक सड़क हादसे में बाइक सवार किसान की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान अमरोद सद्दू (38) निवासी अमरचंद पुत्र मन्नू जाटव के रूप में हुई है। अमरचंद गुरुवार को शिवपुरी जिले के बदरवास से सरसों का बीज खरीदकर घर लौट रहा था। शाम के समय रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। कुछ देर बाद गांव के चौकीदार को जानकारी मिली और उसने परिजनों को सूचित किया। परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और अमरचंद को नईसराय अस्पताल ले गए।

रिटायर्ड आबकारी अधिकारी के लॉकर दिवाली बाद खुलेंगे

20 करोड़ तक पहुंची काली कमाई, इटावा में भी है भदौरिया का लॉकर

इंदौर ■ निसं

इंदौर के रिटायर्ड आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के यहां पड़े लोकायुक्त छापे में काली कमाई की राशि 20 करोड़ रुपए से ज्यादा की हो गई है। वहीं लोकायुक्त पुलिस अब दिवाली बाद भदौरिया के लॉकर खोलेगी। अभी लोकायुक्त में भदौरिया के सभी लॉकर और बैंक खाते फ्रिज करा दिए हैं।

धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के यहां लोकायुक्त की कार्रवाई अभी जारी है। गुरुवार को लोकायुक्त ने उसके व परिजनों के बैंक खातों की जांच की थी। सूत्रों की माने तो लोकायुक्त आज भी एक से दो लॉकर खोल सकती है।

धर्मेंद्र सिंह भदौरिया

पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त राजेश सहाय ने बताया की गुरुवार को बैंक खातों की जानकारी ली गई थी। उसके और परिवार के खातों में कुल 1 करोड़ 26 लाख 31 हजार रुपए जमा हैं। वहीं बीमा और अन्य पॉलिसी भी कुल 21 के लगभग पाई हैं जिनमें 13 लाख 90 हजार 648 रुपए किस्त भरी जाना पाई गई है। पत्नी के नाम बैंक ऑफ बड़ौदा में लॉकर पाया है।

कुल 4 लाकर विभिन्न बैंकों में अभी पाए हैं। वहीं एक लॉकर इटावा में भी होने की जानकारी सामने आई है। लोकायुक्त ने खातों को और लॉकर को फ्रीज कराया है जो लॉकर आरोपी की उपस्थिति में खोले जाएंगे। वहीं सूर्यांश भदौरिया द्वारा विशाल पंवार के शिवा चाइनीज वॉक में भी पार्टनरशिप मिली है। अन्नपूर्णा और विजयनगर की शॉप में 40% हिस्सेदारी मिली है। इसके एवज में विशाल को 25,00,000/- रुपए सूर्यांश ने दिए हैं। इस प्रकार अभी तक कुल 20 करोड़ 24 लाख 55 हजार 169 रुपए की चल अचल संपत्ति धर्मेंद्र भदौरिया द्वारा अर्जित की गई है। वहीं आगे की कार्यवाही अभी जारी है।

अभी लंबे समय से वह आलीराजपुर में ही पदस्थ था। मप्र में अलीराजपुर, झाबुआ और धार जिले गुजरात की अवैध शराब लाइन संचालन के सबसे अहम इलाके हैं। यहीं से होकर पूरी लाइन गुजरती है।

महंगी गाड़ियों का शौकीन हैं भदौरिया

धर्मेंद्र सिंह भदौरिया महंगी गाड़ियों का भी शौक रखता है। उसके यहां से अधिकारियों को एक वॉल्वो, एक फॉच्यूर्नर, दो इनोवा सहित चार लग्जरी बाइक मिल चुकी हैं। बताया जा रहा है की अधिकारियों को उसके फ्लैट से दो महंगी सुपर बाइक मिली है जिनके मॉडिफाइड कराया गया है। वहीं भदौरिया ने अपनी अधिकांश गाड़ियों का नंबर 0045 लिया हुआ है।

भदौरिया की एक नहीं, दर्जन भर शिकायतें हो चुकीं

पूर्व आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिंह भदौरिया की कार्यशैली नौकरी में आने के बाद से ही विवादित रही है। वह एक बार सस्पेंड और एक बार निलंबित हो चुका है। वह इंदौर, ग्वालियर, खंडवा, धार और आलीराजपुर जैसी जगहों पर पदस्थ रहा है।

झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से गई जान

मासूम को पांच इंजेक्शन का हैवी डोज दिया और हो गई डेढ़ साल के बच्चे की मौत

खंडवा ■ निसं

खंडवा के गांधवा गांव में झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही के कारण डेढ़ साल के बच्चे की मौत हो गई। पेट दर्द की शिकायत पर परिजन बच्चे को क्लिनिक ले गए थे, जहां झोलाछाप ने सामान्य चेकअप कर उसे निमोनिया बताया और पांच इंजेक्शन का हैवी डोज दे दिया। डॉक्टर यूक्रेन से पढ़ाई अधूरी छोड़कर खंडवा आया था और यहीं इलाज करने लगा। पहले भी गलत इलाज से एक युवती की जान गई थी।

बच्चे के पिता लाबु बारेला ने बताया कि गुरुवार को एक रिश्तेदार ने उन्हें गांधवा के डॉक्टर हिमांशु यादव के पास जाने की सलाह दी थी। छोटी दुकान में डॉक्टर ने मिनी अस्पताल खोल रखा था। झोलाछाप ने बच्चे का चेकअप कर कहा कि उसे निमोनिया है और इलाज में पांच दिन लगेगा। आपको पांच दिन यहां आना पड़ेगा।

इसके बाद उसने पहले एक छोटी सलाइन दी, फिर बड़ी सलाइन में पांच इंजेक्शन उतार दिए। इलाज के कुछ देर बाद ही बच्चे की हालत बिगड़ने लगी। जब परिजन ने डॉक्टर को बुलाया, तो वह वहां नहीं था। डॉक्टर की पत्नी ने कहा कि बच्चे को घर ले जाओ, नहीं तो पुलिस को बुलाएंगे।

ग्रामीणों के अनुसार झोलाछाप हिमांशु यादव ने विदेश में पढ़ाई कर रहे होने का दावा किया, लेकिन यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद पढ़ाई अधूरी छोड़कर लौट आया। पिता गणेश यादव सरकारी डिस्पेंसरी में ड्रेसर है। हिमांशु और उसकी पत्नी ने गांव में मिनी अस्पताल जैसा क्लिनिक खोल रखा है।

हिमांशु यादव, झोलाछाप डॉक्टर

परिजन बोले- पेट दर्द था, निमोनिया बताकर इलाज किया

आरोप- चौकी पुलिस ने सुनवाई नहीं की

घटना के बाद बच्चे के पिता लाबु बारेला शिकायत लेकर चौकी पहुंचे, लेकिन पुलिस ने सुनवाई नहीं की। इसके बाद पिपलोद थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई गई और बच्चे को जिला अस्पताल भेजा गया। पोस्टमॉर्टम शुक्रवार को हुआ।

तीन साल पहले युवती की जान ली

झोलाछाप डॉक्टर हिमांशु लॉकडाउन के बाद से प्रैक्टिस कर रहा है। उसने शुरुआत में ही करीब तीन साल पहले गांव की युवती को गलत इंजेक्शन दे दिया था। पीएटी की तैयारी कर रही छात्रा की मौत के बाद मामले ने काफी तूल पकड़ा था। बाद में छात्रा प्रतिभा पाटीदार के परिजनों और झोलाछाप डॉक्टर के बीच समझौता हुआ था।

बीएमओ बोले- झोलाछापों को नोटिस दे रहे

पंधाना क्षेत्र के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर ओमप्रकाश तंतवार ने कहा, निजी क्लिनिक का रजिस्ट्रेशन जिला स्तर से होता है। इसलिए ज्यादा जानकारी नहीं है। मैं गणेश यादव को जानता हूं, जो कि गांधवा के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर ड्रेसर हैं। उसके पास क्लिनिक का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है। क्षेत्र में बहुत सारे झोलाछाप है, एक साथ कार्रवाई करना मुश्किल होता है। एक-एक करके सभी को नोटिस थमा रहे हैं।

कैसे बता दिया कि निमोनिया है: जानकारों के मुताबिक, झोलाछाप हो या एमडी डॉक्टर है, ये लोग स्टेथेस्कोप नामक उपकरण से मरीजों का चेकअप करते हैं। जिसका उपयोग हृदय, फेफड़े और आंतों की आवाजें सुनने के लिए किया जाता है। सवाल यह है कि निमोनिया की जांच के लिए एक्सरे किया जाता है। जबकि झोलाछाप हिमांशु ने डेढ़ साल के मासूम बच्चे को नॉर्मल चेकअप से निमोनिया बताकर उसे हैवी डोज दे दिया। परिजन तो पेट दर्द की समस्या लेकर आए थे।

एरोड्रम ट्रक हादसे में सात पुलिस अफसर और पुलिसकर्मी जिम्मेदार

इंदौर ■ निसं

जांच में एयरपोर्ट रोड से बड़ा गणपति तक के सीसीटीवी फुटेज देखे गए, अधिकारियों की मोबाइल लोकेशन जांची गई और प्रभावितों के बयान दर्ज किए गए। ट्रक हादसे के मामले में हाईकोर्ट ने भी संज्ञान लिया है। एरोड्रम मार्ग पर नो एंट्री क्षेत्र में घुसा एक जानलेवा ट्रक पिछले माह चार लोगों की दर्दनाक मौत का कारण बना। पंद्रह से अधिक लोग उस हादसे में घायल हो गए थे। इस मामले में पुलिस विभाग ने अपने स्तर पर जांच की, जिसमें एसीपी और टीआई सहित सात अधिकारियों को दोषी पाया गया है। यह जांच जोन चार के एडीसीपी दीपेश अग्रवाल ने पूरी की और रिपोर्ट पुलिस कमिश्नर को सौंपी।

अब इन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की जाएगी। जांच में एसीपी सुदेश सिंह, टीआई अर्जुन सिंह पंवार, टीआई दीपक यादव, सूबेदार चंद्रेश मरावी सहित कुल सात पुलिसकर्मियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। ड्यूटी के दौरान इन सभी ने लापरवाही बरती। उन्होंने न तो नो एंट्री आदेश की गंभीरता समझी और न ही एंट्री प्वाइंट पर ट्रक को रोकने व चालक की स्थिति जांचने की जिम्मेदारी निभाई।

जांच में एयरपोर्ट रोड से बड़ा गणपति तक के सीसीटीवी फुटेज देखे गए, अधिकारियों की मोबाइल लोकेशन जांची गई और प्रभावितों के बयान दर्ज किए गए। आपको बता दें कि ट्रक हादसे के मामले में हाईकोर्ट ने भी संज्ञान लिया है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने अधिकारियों को एंट्री प्वाइंट के फुटेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था, लेकिन जवाब में बताया गया कि वहां फुटेज नहीं थे।

अवैध पटाखा निर्माण का भंडाफोड़

तलघर से 8 कट्टों में भरे देसी पटाखे बरामद

गुना ■ निसं

दोनों बिना लाइसेंस के घर में हाई एक्सप्लोसिव सल्फर से बने पटाखों का निर्माण और भंडारण कर रहे थे। जब्त किए गए पटाखों की कीमत लगभग ?10,000 आंकी गई है।

दीपावली से पहले पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर को संभावित धमाके से बचा लिया। जाट मोहल्ला स्थित उदासी आश्रम गली में पुलिस ने छापा मारकर घर के तलघर से 8 कट्टों में भरे देसी पटाखे बरामद किए हैं। यह सभी पटाखे हाई एक्सप्लोसिव सल्फर से बने थे, जो किसी भी समय विस्फोट का कारण बन सकते थे।

मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर घर में छिपे दो युवकों ईशान पुत्र राज मंसूरी (19) और इरफान पुत्र गफूर मंसूरी (18) को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने कबूल किया कि वे घर के नीचे बने तलघर में देशी पटाखों का निर्माण और भंडारण करते हैं।

जब पुलिस ने उनसे लाइसेंस मांगा, तो वे कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। तलघर की तलाशी लेने पर पुलिस को 8 कट्टों में भरे अवैध पटाखे मिले, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई जा रही है। यदि ये विस्फोटक सामग्री ब्लास्ट हो जाती, तो आसपास के घनी आबादी वाले इलाके में भारी जनहानि की आशंका थी। पुलिस ने मौके से पटाखे जब्त कर दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस एवं विस्फोटक अधिनियम की धारा 9(ख) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

यासीन मछली सहित तीन को हाईकोर्ट से सशर्त जमानत, क्राइम ब्रांच के एसआई को किया तलब

जबलपुर ■ निसं

मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस पीके अग्रवाल की एकलपीठ ने ड्रग तस्करी के आरोप में भोपाल क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार किए गए यासीन मछली, शकील अंसारी तथा अमन दाहिया को सशर्त जमानत प्रदान की है। एकलपीठ ने तीनों आरोपियों की आरोपियों के जमानत आवेदन को स्वीकार करते हुए उन्हें हर माह की 10 और 25 तारीख को संबंधित थाने में हाजिरी देने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि भोपाल क्राइम ब्रांच ने जुलाई 2025 को यासीन मछली, शकील अंसारी और अमन दाहिया को सैफुद्दीन उर्फ आशु उर्फ शाहरुख के मेमोरेंडम के आधार पर गिरफ्तार किया था। पुलिस ने सैफुद्दीन उर्फ आशु उर्फ शाहरुख को 15.14 ग्राम एमडी पाउडर ड्रग के साथ गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी युवकों ने बताया था कि उन्हें एमडी पाउडर उनके द्वारा उपलब्ध करवाया गया था।

आरोपियों की तरफ से कहा गया कि सैफुद्दीन के जिस मेमोरेण्ड के आधार पर उन्हें आरोपी बनाया गया, उसमें उनके के ही नाम नहीं हैं। इसके अलावा दोनों के पास से कोई भी मादक पदार्थ भी बरामद नहीं हुआ। पुलिस द्वारा 21 जुलाई की रात लगभग 11ः30 बजे अलग स्थान से सैफुद्दीन और आशु उर्फ शाहरुख को अवैध रूप से गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें 23 जुलाई को विशेष न्यायाधीश (एन.डी.पी.एस.) भोपाल के समक्ष पेश किया गया था। उनकी अवैध गिरफ्तारी के संबंध में सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध है।मादक पदार्थ के पंचनामा में 20 जुलाई की तारीख अंकित की गई है। मादक पदार्थ के पंचनामा गलत तारीख दर्ज होने पर हाईकोर्ट ने क्राइम ब्रांच के एसआई नितिन कुमार पटेल को तलब किया था। एसआई ने हाजिर होकर कहा कि टाइपिंग मिस्टेक से पंचनामे में 20 जुलाई 2025 दर्ज हुई है, जबकि वास्तव में वह 23 जुलाई 2025 है।

इसके लिए उन्होंने अदालत से बिना शर्त माफी मांगी। उसके बाद न्यायालय ने पूरे मामले पर गौर करने के बाद दोनों आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के निर्देश दिए।

नाबालिग से दुष्कर्म के बाद बनाया धर्मांतरण दवाब, पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार, दो फरार

टीकमगढ़ ■ निसं

टीकमगढ़ शहर में एक हाई स्कूल की छात्रा के साथ टीकमगढ़ से भागकर उसके साथ दुष्कर्म और धर्मांतरण का दवाब डालने का मामला सामने आया। इस मामले में टीकमगढ़ पुलिस कोतवाली में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दो आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि दो आरोपी फरार हैं। टीकमगढ़ शहर में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म और जबरन धर्म परिवर्तन करने के लिए दवाब बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी जाबिर खान सहित चार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी जाबिर खान और उसके जीजा शाहरुख खान को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि आरोपी के पिता अब्बू खान और मामा अभी फरार हैं।

टीकमगढ़ पुलिस कोतवाली के प्रभारी बृजेंद्र ने बताया कि पीड़ित ने अपनी शिकायत में कहा कि आरोपी जाबिर खान उससे बातचीत करता था और लंबे समय से निकाह करने का दावाब बनाता था। जब उससे इनकार किया तो आरोपी ने उसे उसके परिवार को जान से मारने और बदनाम करने की धमकी दी पीड़िता के अनुसार तीन अक्तूबर को जाबिर खान उसे झांसा देकर घर से भगा ले गया। इसके बाद वह मऊरानीपुर ले गया और मऊरानीपुर में से झांसी फिर हरियाणा ले गया। पांच अक्तूबर को हरियाणा से वह कुलपहाड़ पहुंचे, जहां पर उसने सिंदूर और मंगलसूत्र पहनाकर नकली विवाह रचाया। इसके बाद आरोपी नाबालिग को छतरपुर स्थित अपने मामा के घर ले गया, जहां पर उसने चार दिन तक शारीरिक शोषण किया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 7 से 10 अक्तूबर तक वह छतरपुर में रही जहां आरोपी ने उसकी मर्जी के खिलाफ कई बार अबैध संबंध बनाएं। इन चार दिनों तक उसे डरा कर रखा गया। इसके बाद आरोपी रानीपुर में छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद पीड़िता टीकमगढ़ पहुंची।

पुलिस ने किया मामला दर्ज 2 आरोपी गिरफ्तार: पुलिस कोतवाली से मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग के आवेदन पर पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों पर दुष्कर्म, मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धाराएं और एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस घटना के मुख्य आरोपी जाबिर खान और उसके जीजा शाहरुख खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि आरोपी के पिता अब्बू खान और मामा की तलाश जारी है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि इन दोनों आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

शिप्रा श्मशान में मिले दो युवक, दोनों की मौत

देवास में चाकू से वार कर हत्या की आशंका, मौके से जहर भी मिला

देवास ■ निसं

देवास जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के ग्राम शिप्रा के श्मशान में सुनवानी महाकाल गांव के दो युवक गुरुवार देर शाम घायल अवस्था में मिले। दोनों को तत्काल इंदौर ले जाया गया, जहां एक युवक की रास्ते में ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने रात को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

दोनों की पहचान विवेक (19) और आशीष (18) के रूप में हुई है, दोनों सुनवानी महाकाल गांव के निवासी है। विवेक पढ़ाई करता था, जबकि आशीष दूध का व्यवसाय करता था।

मौके पर जहर और खून मिला: जानकारी के अनुसार, दोनों गांव से शिप्रा दूध डेयरी पर दूध देने आए थे, जिसके बाद वे शिप्रा के श्मशान में गंभीर अवस्था में पाए गए।

सूचना मिलने पर मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई और औद्योगिक थाना पुलिस भी पहुंची। गंभीर हालात को देखते हुए परिजनों ने दोनों को इंदौर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उधर, एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया और औद्योगिक थाना टीआई शशिकांत चौरसिया भी बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को घटनास्थल पर जहरीला पदार्थ, खून और उल्टी फैली मिली है।

विवेक चौधरी

आशीष पटेल

श्मशान क्यों गए यह पता लगा रही पुलिस: एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से कुछ साक्ष्य बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि शाम के समय इन दोनों का मूवमेंट देखा गया था और श्मशान में किस परिस्थिति में पहुंचे, इसकी जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों के शरीर पर चाकू से वार के निशान थे, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है।

दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम इंदौर में किया जाएगा, जिसके बाद शव उनके गांव लाए जाएंगे। इस घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है और वे पुलिस से हमलावरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं।

बैंक खाते से लिंक मोबाइल नंबर बंद करना महंगा पड़ा

जालसाज ने महिला के खाते से उड़ाए पांच लाख

जबलपुर ■ निसं

बैंक खाते से लिंक मोबाइल नंबर बंद करना एक महिला को महंगा पड़ गया। जालसाज ने महिला के खाते से दो माह में 65 बार में पांच लाख 19 हजार रुपये उड़ा दिए। महिला दो साल तक खाते से रकम निकाले जाने के संबंध में अनभिज्ञ थी। महिला जब रुपये निकालने बैंक गई तो उसे इस बात की जानकारी मिली कि खाते में रकम नहीं है। पीड़िता महिला की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पनागर पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवाजी वार्ड निवासी 40 वर्षीय शशि पटेल का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पनागर शाखा में खाता है। बैंक खाते से लिंक मोबाइल नंबर उसने साल 2023 में बंद कर दिया था। उसके बैंक खाते से 24 जून 2023 से 27 जुलाई 2023 के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने 5 लाख 19 हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से निकाले हैं।

1 करोड़ युवाओं को एआई प्रशिक्षण का लक्ष्य

आईसेक्ट ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस लिटरेसी मिशन का किया शुभारंभ

भोपाल ■ अमृत दर्शन

उच्च शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में देश के अग्रणी सामाजिक उद्यम आईसेक्ट द्वारा रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस लिटरेसी मिशन का शुभारंभ बुधवार को एसजीएसयू कैंपस में किया गया। यह महत्वाकांक्षी योजना संतोष शुक्ला द्वारा लिखित और आईसेक्ट पब्लिकेशन से प्रकाशित पुस्तक कृत्रिम बुद्धिमता - कृत्रिम नहीं, असली क्रांति के विमोचन के साथ शुरू की गई। साथ ही कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लिटरेसी मिशन के पोस्टर का भी अनावरण किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम में आईसेक्ट के चेयरमैन संतोष चौबे, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलगुरू डॉ. विजय सिंह, कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा, सायबर एक्सपर्ट रघु पांडे, लेखक संतोष शुक्ला, आईसेक्ट पब्लिकेशन की

हैड ज्योति रघुवंशी, आईसेक्ट के मार्केटिंग एवं पीआर हैड मनोज त्रिपाठी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने एआई के बढ़ते महत्व पर चर्चा की और स्किल्स को बढ़ावा देने वाली नीति आयोग की रिपोर्ट्स का जिक्र किया। आगे उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आने वाले समय की भाषा है, और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत का हर युवा इस भाषा को समझे और इसका उपयोग अपने करियर, समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए कर सके। आईसेक्ट का यह मिशन केवल तकनीकी प्रशिक्षण नहीं है, बल्कि यह युवाओं में नवाचार, उद्यमिता और भविष्य की संभावनाओं को जगाने की एक राष्ट्रीय पहल है। हमारा प्रयास है कि एआई सिर्फ़ बड़े शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि गांव-गांव और छोटे कस्बों तक पहुँचे, ताकि विकसित भारत 2047 का सपना सच हो सके। आगे उन्होंने बताया कि यह पहल भारत सरकार के स्किल इंडिया मिशन और नीति आयोग के ड्रु रोडमैप के अनुकूल है।

नीति आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस 'विकसित भारत 2047' के विजन को प्राप्त करने में केंद्रीय भूमिका निभाएगा। इसके लिए आवश्यक है कि शैक्षणिक स्तरों पर ड्रु कोर्सेज का एकीकरण हो, टियर-2 और टियर-3 शहरों में ड्रु और डेटा लैब्स स्थापित हों और कृषि, स्वास्थ्य व शिक्षा जैसे क्षेत्रों में ड्रु का तेजी से उपयोग बढ़े। रघु पांडे ने अपने वक्तव्य में युवाओं से एआई कौशल को सीखने की बात कही। उन्होंने कहा कि भविष्य में लगभग सभी क्षेत्रों में एआई की वजह से बदलाव देखने को मिलेंगे जिसके लिए हमें आज खुद तैयार करने और सीखते रहने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में संतोष चौबे ने अपने वक्तव्य में कहा कि पहले जब कम्प्यूटर आया तो उसके लिए पुस्तकें लिखी गईं।

संक्षिप्त समाचार

बाइकों की भिड़ंत में घायल महिला-युवकों को डायल-112 ने पहुंचाया हॉस्पिटल

भोपाल/देवास। देवास थाना के नेमावर क्षेत्र में दो बाइकों की भिड़ंत में दो महिलाओं सहित एक युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। हादसे की खबर मिलते ही पहुंचे डायल-112 जवानों ने उन्हें एफआरव्ही वाहन से अस्पताल पहुँचाया जहॉ उन्हें समय रहते उचित उपचार मिल सका। मिली जानकारी के अनुसार राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल में बीते दिन शाम 6 बजे सूचना मिली की देवास जिले थाना नेमावर क्षेत्र में खातेगॉव तिवादिया रोड पर दो मोटर साईकिल की टक्कर हो जाने से दो महिलाएँ और एक युवक घायल हो गया है। सूचना मिलने पर फौरन ही नेमावर थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। वाहन में तैनात स्टाफ सैनिक भूपेन्द्र सिह एवं पायलेट मिथुन राठौड ने मौके पर पहुँचकर तीनो घायलो को एफआरव्ही वाहन से सिविल अस्पताल खातेगॉव में भर्ती करवाया, जहॉ घायल सोरम बाई शिव प्रसाद (45), अनिल पिता गोवर्धन (25) और रुकमणी बाई पति गोवर्धन निवासी ग्राम आमला का उपचार किया जा रहा है। हादसे में आगे की कार्यवाही की जा रही है।

एक्सीडेंट में घायल 62 साल के वृद्ध को पुलिस जवानों ने बचाई जान

भोपाल/सागर। सागर थाना सिविल लाईन क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में घायल हुए 62 वर्षीय बुजुर्ग को डायल-112 के जवानों ने मौके पर ही प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल पहुँचाया। जानकारी के अनुसार राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल में गुरुवार को सूचना मिली की सागर जिले थाना सिविल लाईन क्षेत्र में बम्होरी तिराहे के पास मोटर साईकिल से गिरकर एक बुजुर्ग व्यक्ति घायल हो गए है। हादसे की खबर मिलते ही तत्काल सिविल लाईन थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। वाहन में तैनात स्टाफ आरक्षक योगेश दुबे एवं पायलेट प्रशांत ने एफआरव्ही वाहन में मौजूद टूलकिट में फर्स्ट एड बॉक्स की मदद से घायल का प्राथमिक उपचार किया और हाईवे चिकित्सा वाहन से जिला अस्पताल सागर में भर्ती कराया, जहाँ घायल बुजुर्ग कैलाश रैकवार (62) निवासी अहमदनगर सागर का उपचार किया जा रहा है।

सीएमएचओ ने ली पी.सी.पी.एन.डी.टी. जिला सलाहकार समिति बैठक

भोपाल। पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट अंतर्गत जिला सलाहकार समिति बैठक गुरुवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में एक्ट के प्रावधानों के कड़ाई से पालन करने, नवीन पंजीयन एवं नवीनीकरण आवेदनों पर चर्चा कर कर स्वीकृति दी गई। बैठक में समिति सदस्य सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन, डॉ. रणधीर सिंह, जिला अभियोजन अधिकारी श्री राजेंद्र उपाध्याय, फ़ोग्सी एसोसिएशन सचिव डॉ. मुदिता जैन, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.ज्योति खरे, पैथोलॉजिस्ट डॉ. रश्मि जैन, श्रीमती अर्चना सहाय, एडीपीओ श्री महेंद्र सिंह दांगी उपस्थित रहे।

प्रदेश में चलाया गया दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान

मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन से दोगुनी होगी पशुपालक किसानों की आय : मुख्यमंत्री

गोवर्धन पर्व सांस्कृतिक परम्पराओं के अनुरूप मनाया जाएगा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गो-माता और गो-पालन का हमारी सनातन संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान है। जो गो-पालन करता है वह गोपाल है और जहां गो-पालन होता है वह घर गोकुल है। गो-संरक्षण एवं संवर्धन सरकार की उच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए सरकार समाज के सहयोग से निरंतर कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाकर पशुपालक किसानों की आय को दोगुना किया जाएगा। मध्यप्रदेश अपनी प्राकृतिक संपदा के साथ गो-वंश से समृद्ध राज्य है। देश के दुग्ध उत्पादन का लगभग 9प्रतिशत मध्यप्रदेश में होता है। हमारी सरकार का लक्ष्य है इसे 20 प्रतिशत तक ले जाना। इसके लिए प्रदेश के गांव-गांव में दुग्ध समृद्धि संपर्क चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत पशु चिकित्सक घर-घर जाकर पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के विभिन्न आधुनिक तरीकों, पशुओं में नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पशु पोषण आदि के संबंध में जानकारी दे रहे हैं। प्रदेश में वर्ष 2024-25 को गो-संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया गया।

हर जिले में मनाया जाएगा गोवर्धन पर्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 21 अक्टूबर को गोवर्धन पर्व लोक अनुष्ठान और सांस्कृतिक परंपराओं के अनुसार मनाया जाए। आयोजन में गौशालाओं तथा पशुपालकों को विशेष रूप से सहभागी बनाया जाए। साथ ही गोवर्धन पर्व पर पशुपालन तथा दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां दर्ज करने और नवाचार करने वाले उद्यमियों को सम्मानित भी किया जाएगा। प्रदेश की गौ-शालाओं में गोवर्धन पर्व का सामुदायिक आयोजन होगा। गोवर्धन पर्व का मुख्य आयोजन रवीन्द्र भवन भोपाल में किया जाएगा, जिसमें गोवर्धन पूजन, परिक्रमा, अन्नकूट भोग मुख्य होगा। इस अवसर पर पशुचारक समुदायों की कला, बरेदी और ठाट्या नृत्य आदि का प्रस्तुतीकरण होगा।

कार्यक्रम में जैविक उत्पादक, दुग्ध उत्पाद, गोबर आधारित शिल्प के स्टॉल लगाए जाएंगे, साथ ही पशुपालन, कृषि, सहकारिता विभाग की योजनाओं की जानकारी देने के लिए विशेष व्यवस्था होगी। इसके साथ ही ग्रामीण आजीविका के लिए दुग्ध उत्पादन और वृंदावन ग्राम योजना के विस्तार के लिए भी गतिविधियों का संचालन होगा। गोवर्धन पर्व पर सभी जिलों में गतिविधियां संचालित की जाएंगी। आंगनवाड़ी केंद्रों में पंचगव्य उत्पाद जैसे घी, दूध, पनीर और दही से बनी सामग्री का वितरण किया जाएगा।

अभियान के दौरान मुख्य फोकस पशुओं के दुग्ध उत्पादन को बढ़ाकर पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने पर रहा. अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में मंत्रीगण, सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि, संभागीय आयुक्त, जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों और समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भी विभिन्न स्थानों पर पशुपालकों से भेंट की गई और उन्हें दूध उत्पादन और पशुपालन से ज्यादा लाभ उठाने के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई एवं पशुपालकों के अनुभव भी साझा किए गए।

प्रदेश में चलाया गया दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर से पूरे प्रदेश में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत गांव गांव में घर-घर जाकर पशुपालकों को पशुओं में नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, पशुओं के टीकाकरण, उनकी स्वास्थ्य रक्षा, संतुलित पशु आहार, पशु पोषण आदि के बारे में तकनीकी और व्यावहारिक जानकारी दी गई। पशुपालकों को उपलब्ध संसाधनों में कम खर्च पर अधिक दूध उत्पादन करने और ज्यादा लाभ कमाने के बारे में जागरूक किया गया। अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा 10 या अधिक गौवंश-भैंस वंश पालने वाले पशुपालकों से संवाद करने के लक्ष्य अनुसार समस्त जिलों में तीन लाख 70 हजार से अधिक पशुपालकों से उनके घर पहुंचकर भेंट की और उन्हें पशुपालन के संबंध में जानकारी दी, साथ ही उनकी समस्याओं का निराकरण भी किया।

रानी कमलापति-निजामुद्दीन के बीच आज एवं कल पूजा स्पेशल ट्रेन चलेगी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

दीपावली पर अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए रानी कमलापति-हज़रत निजामुद्दीन-रानी कमलापति के मध्य दो-दो ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह गाड़ी रानी कमलापति से प्रस्थान कर विदिशा, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, ग्वालियर, आगरा कैंट, मथुरा स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी। यह पूजा स्पेशल ट्रेन रानी कमलापति-हज़रत निजामुद्दीन के बीच दोनों दिशाओं में दिनांक 17.10.2025 एवं 18.10.2025 को संचालित होगी। इस स्पेशल ट्रेन में विभिन्न श्रेणी के कुल 22 कोच होंगें।

सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति स्टेशन से सुबह 07:30 बजे प्रस्थान कर मध्यवर्ती स्टेशन विदिशा, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, ग्वालियर, आगरा कैंट, मथुरा ठहराव कर रात 20:15 बजे हज़रत निजामुद्दीन स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 01662 हज़रत निजामुद्दीन स्टेशन से रात 21:25 बजे प्रस्थान कर मध्यवर्ती स्टेशन मथुरा, आगरा कैंट, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, बीना, विदिशा ठहराव कर अगले दिन सुबह 10:30 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुँचेगी।

रेलयात्री किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केन्द्र या ऑनलाइन आईआरसीटीसी की वेबसाइट से इस स्पेशल ट्रेन में आरक्षण सुविधा का लाभ एवं ट्रेन के ठहराव की विस्तृत जानकारी स्टेशन, एनटीइएस या रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन रेलवे वेबसाइट से प्राप्त कर सकते है।

एम्स में एकीकृत स्तन कैंसर देखभाल मॉडल ने दिखाया सकारात्मक प्रभाव

भोपाल ■ अमृत दर्शन

एम्स भोपाल और आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से स्टेज ड्रुड्रु स्तन कैंसर मरीजों में हेल्थकेयर मॉडल का डिज़ाइन और क्रियान्वयन शीर्षक से हाल ही में एक अध्ययन किया गया, जिसमें स्तन कार्सिनोमा मरीजों के उपचार यात्रा और परिणामों का मूल्यांकन किया गया। जनवरी से दिसंबर 2024 के बीच, एम्स भोपाल में कुल 634 नए स्तन कैंसर मरीजों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से 246 मरीजों को अध्ययन में शामिल किया गया। इनमें से 46 मरीजों का अनुसंधान प्रोटोकॉल के तहत विस्तार से फॉलो-अप किया गया। अधिकांश मरीजों का कैंसर शुरुआती चरण में पता चला और उन्हें समय पर सर्जरी और कीमोथेरेपी मिली। एक वर्ष के फॉलो-अप में उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुए, जिसमें अध्ययन किए गए मरीजों में कोई मृत्यु नहीं हुई। अध्ययन यह दर्शाता है कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय, सुव्यवस्थित डायग्नोस्टिक्स, मरीजों को परामर्श देना और संरचित फॉलो-अप उपचार परिणामों को बेहतर बनाने और देखभाल में देरी को कम करने में सहायक हो सकते हैं।

इस अध्ययन का नेतृत्व डॉ. विनय कुमार (प्रधान अन्वेषक और विभागाध्यक्ष, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) और डॉ. संजीव कुमार (सह-प्रधान अन्वेषक, सामुदायिक और परिवार चिकित्सा) ने किया। इसमें योगदान देने वाली टीम में डॉ. मनीष गुप्ता (रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), डॉ. वैशाली वांडेस्कर (हेड, एनेस्थीसियोलॉजी), डॉ. विजेंद्र सिंह (हेड, साइकियाट्री), डॉ. भारती पंड्या (जनरल सर्जरी), डॉ. दीपती जोशी (पैथोलॉजी), डॉ. राधा सारावगी गुप्ता (रेडियोडायग्नोसिस और इमेजिंग), डॉ. जे.पी. शर्मा (एनेस्थीसियोलॉजी), डॉ. ई. जयशंकर (पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन), डॉ. कवल कृष्ण पंडिता (अस्पताल प्रशासन), डॉ. अमन कुमार (रेडियोडायग्नोसिस और इमेजिंग), डॉ. दीपक कृष्ण (बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी), डॉ. जितेंद्र सिंह (ट्रांसलेशनल मेडिसिन), डॉ. हरीश कुमार (एनेस्थीसियोलॉजी), डॉ. अंकित जैन (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) और डॉ. आकांक्षा चौधरी (मेडिकल ऑन्कोलॉजी और हेमेटोलॉजी) शामिल थे।

कल होगा अंतर्राष्ट्रीय कठिन चीवर दान समारोह

थाईलैंड, वियतनाम, बांग्लादेश, ताइवान सहित 6 देशों के बौद्ध धर्मगुरु भोपाल में जुटेंगे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में शनिवार 18 अक्टूबर को इतिहास रचने जा रही है। चुनाभट्टी स्थित बुद्धभूमि महाविहार मॉनेस्ट्री (गोल्डन बुद्ध प्रतिमा परिसर, कोलार रोड) में कल दोपहर 12:30 बजे से प्रारंभ हो रहा है - अंतर्राष्ट्रीय कठिन चीवर दान समारोह - 2025 यह पहली बार है जब मध्यप्रदेश की धरती पर इतना भव्य और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध समारोह आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन दी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ, भोपाल के तत्वावधान में एवं धम्मकाया फाउंडेशन (थाईलैंड) तथा वर्ल्ड एलायंस ऑफ बुद्धिस्ट्स के विशेष सहयोग से आयोजित हो रहा है। विश्व के प्रमुख धर्मगुरु और अतिथि उपस्थित - इस ऐतिहासिक अवसर पर थाईलैंड, वियतनाम, बांग्लादेश, ताइवान और श्रीलंका सहित कई देशों के धर्मगुरु एवं विद्वान उपस्थित रहेंगे। प्रमुख अतिथियों में शामिल हैं -

■ पूज्य भन्ते डॉ. सनीत्वोंग चारोएनरत्तावोंग (निदेशक, जनसंचार विभाग, धम्मकाया फाउंडेशन, थाईलैंड)

■ पूज्य भन्ते डॉ. पोरनचाई पलवधम्मो पिन्यापोंग (अध्यक्ष, वर्ल्ड एलायंस ऑफ बुद्धिस्ट्स, थाईलैंड)

■ पूज्य मास्टर थिंग थुई थोंग (अध्यक्ष, सम्बुद्ध ग्लोबल फाउंडेशन, वियतनाम), डॉ. मिथिला चोधरी, अध्यक्ष - WABY, थाईलैंड, डॉ. सबुज बरुआ, उपाध्यक्ष - WAB, बांग्लादेश ,श्रद्धेया किटुन्या सिरिखाम, धम्म-सेवीका, थाईलैंड, सुश्री HSU TZU-LIEN, धम्म-सेवीका, ताइवान एवं अन्य भिक्षु संघ

■ कठिन चीवर दान का अर्थ - वर्षावास (चातुर्मास) के समापन पर भिक्षु संघ को श्रद्धा और कृतज्ञता से वस्त्र अर्पित करने की परंपरा को कठिन चीवर दान कहा जाता है। इसे बौद्ध धर्म का सर्वोच्च पुण्य दान माना जाता है।

■ यह करुणा, दया और मानवता की भावना को पोषित करने वाला उत्सव है।

कार्यक्रम क्रम - 12.00 बजे अतिथियों का आगमन एवं स्वागत, 12.30 बजे कोलार तिराह से बुद्धभूमि महाविहार तक कठिन चीवर दान रैली 01.00 बजे - धम्म ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्वलन, बुद्ध वंदना एवं महापरित्राण पाठ, 01.30 बजे -धम्मकाया फाउंडेशन द्वारा कठिन चीवर दान अर्पण, 02.00 बजे - थाई भिक्षु संघ व अतिथियों के आशीर्वचन, 02.30 बजे - भारतीय भिक्षु संघ व अतिथि प्रवचन, 03.00 बजे -भोपाल के 38+ बुद्ध विहार महिला मंडलों द्वारा चीवर दान, 03.30 बजे - भारत-थाईलैंड बौद्ध मैत्री विषय पर विशेष संबोधन, 04.00 बजे- सांस्कृतिक प्रस्तुति व सामूहिक मैत्री भोज देना।

लव जिहाद के आरोपी इमरान को तीन साल की जेल

भोपाल। राजधानी भोपाल में साल 2021 में अपनी पहचान छिपाकर युवती को प्रेम जाल में फंसाने वाले आरोपी युवक इमरान को सनुवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी के खिलाफ 28 हजार रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया गया है। यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश पल्लवी द्विवेदी की कोर्ट ने सुनाया है। मिली जानकारी क अनुसार यह मामला मामला एमपी नगर थाना क्षेत्र का था। 18 फरवरी 2021 को पीड़िता ने पुलिस में की गई अपनी शिकायत में बताया था की आरोपी इमरान नामक युवक ने पहले तो नाम राज प्रजापति बताकर उसे प्रेम-जाल में फांस लिया इसके बाद दोनो ने 21 जुलाई 2016 को सलकनपुर मंदिर में शादी कर ली थी और साथ रहने लगे थे। साथ रहने के दौरान सच्चाई पता चलने पर जब उसका विवाद हुआ तब आरोपी ने बताया की उसका नाम इमरान है।

आपातकालीन चिकित्सा स्थितियों में लाइफ सेविंग सी पी आर पर हुआ उन्मुखीकरण

अस्पताल पहुंचने से पहले जीवन रक्षक होता है सीपीआर - डॉ. शर्मा

मैनिक्विन से चिकित्सकों ने किया लाइव डेमोंस्ट्रेशन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

आकस्मिक परिस्थितियों में तत्काल जीवन रक्षक सहायता देने के लिए सीपीआर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। सी पी आर जागरूकता के लिए 13 से 17 अक्टूबर तक कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसमें स्वास्थ्य संस्थानों में सीपीआर शपथ, चिकित्सकों, नर्सिंग ऑफिसर्स, पैरामेडिकल स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को

सीपीआर का प्रशिक्षण, पोस्टर प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी गतिविधियों की जा रही हैं।

कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन के लिए स्वास्थ्य संस्थाओं में उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों में भी ऐसी परिस्थितियों में मरीज की स्थिति के आंकलन उसे सी पी आर तकनीक के बारे में जानकारी दी जा रही है। साथ ही सीपीआर के महत्व, आपातकालीन प्रतिक्रिया चरणों और सीपीआर को सही तरीके से करने के तरीके को समझाया जा रहा है।

धड़कनों की जांच कर शुरू की जाए सी पी आर: डांस करते-करते, चलते हुए, बैठे हुए या अन्य किसी स्थिति में व्यक्ति के अचानक से बेहोश हो जाने के प्रकरण समय-समय पर सामने आते हैं। ऐसी स्थिति में व्यक्ति की धड़कनों की जांच कर सीपीआर देना जरूरी हो जाता है। व्यक्ति की पल्स चालू रहने पर सीपीआर देने की आवश्यकता नहीं होती है। सीपीआर के लिए मरीज को सांस सुथरी और सपाट जगह पर लेटा कर सीपीआर तकनीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। साथ ही साथ 108 एंबुलेंस अथवा किसी अन्य चिकित्सकीय सहायता को मदद के लिए तुरंत कॉल किया जाना आवश्यक है।

प्रति मिनट 100 से 120 बार छाती के बीच लगातार दिया जाए दबाव : जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में आयोजित उन्मुखीकरण प्रशिक्षण में डॉ. सत्यजीत सिंह ने मैनिक्विन के माध्यम से सी पी आर प्रक्रिया का लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया। उन्होंने बताया कि सीपीआर के दौरान छाती के बीचों बीच 1 मिनट में कम से कम 100 से 120 बार दबाव दिया जाता है। इस दौरान घुटनों पर बैठकर कोहनी सीधी रखकर दबाव दिया जाता है। ये दबाव कम से कम 5 सेंटीमीटर तक होना चाहिए। 30 बार तेजी से दबाव देने के बाद 2 बार मुंह से सांस भी दी जानी चाहिए। यह प्रक्रिया तब तक की जानी जरूरी है जब तक मरीज की स्वाभाविक सांसें ना लौट आए या चिकित्सकीय सहायता न मिल जाए।

कुछ ही मिनटों में हो सकता है ब्रेन डैमेज

अचानक से दिल की धड़कन रुक जाने पर कुछ ही मिनट में ब्रेन डैमेज हो सकता है। ऐसी स्थिति में शुरुआती हर मिनट व्यक्ति के जीवित बचने की संभावना को 10% तक कम करता जाता है। अनुमान के मुताबिक लगभग 70% हृदय गति रुकने की घटनाएँ अस्पतालों के बाहर होती हैं, जहाँ अक्सर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध नहीं होती हैं। सीपीआर देकर व्यक्ति की जीवित बचने की संभावनाओं को दो से तीन गुना तक बढ़ाया जा सकता है।

इस वर्ष किया 215 करोड़ बजट का प्रावधान

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 4.90 लाख बच्चों को निःशुल्क साइकिल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बच्चों के नामांकन दर और शिक्षा गुणवत्ता सुधार के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना में इस शैक्षणिक सत्र में 4 लाख 90 हजार बच्चों को साइकिल का वितरण किया गया है। इस वर्ष विभाग ने योजना के लिये 215 करोड़ रूपये के बजट का प्रावधान किया है।

योजना के माध्यम से उन बच्चों को निःशुल्क साइकिल का लाभ दिया जा रहा है, जिन्होंने कक्षा-5 और कक्षा-8 उत्तीर्ण कर ली है। ऐसे विद्यार्थियों के अगली कक्षा की दूरी मजरे टोले की दूरी 2 किलोमीटर या उसे अधिक की दूरी पर हो उन्हीं बच्चों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। इस योजना में उन बालिकाओं को भी योजना का लाभ दिया जा रहा है जो छात्रावास में रहकर अध्ययन कर रही है। बच्चों को साइकिल की सुविधा स्कूल आने-जाने के लिये प्रदान की गई है। पिछले वर्ष विभाग ने 4 लाख 80 हजार बच्चों को निःशुल्क साइकिल वितरित की थी। लोक शिक्षण संचालनालय ने साइकिल खरीदी की प्रक्रिया जेम पोर्टल के माध्यम से लघु उद्योग निगम की सहयोग से पूरी की है।

अनमोल वचन

एक बेहतरीन किताब 100 अच्छे दोस्त के बराबर है, लेकिन एक सर्वश्रेष्ठ दोस्त पुस्तकालय के बराबर है।
अब्दुल कलाम

प्रत्येक अनुभव से शक्ति, साहस और आत्मविश्वास मिलता है, जिससे आपके चेहरे पर डर का आना बंद हो जाता है।
एलेनोर रोसवैल्ट

दीपावाली पर्व के प्रारम्भ को दर्शाता है धनतेरस

रमेश सर्राफ धमोरा

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है।

धनतेरस का त्योहार दीपावाली पर्व के प्रारम्भ को दर्शाता करता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है।

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक में रंगोली बनाकर सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए।

धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अत: दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है।

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी ओर रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें।

इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है। उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

? धन्वंतराये नम: धन्वंतरि मंत्र है। इस मंत्र का जाप रोगों से मुक्ति और अच्छे स्वास्थ्य के लिए किया जाता है। चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं। उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावाली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व मे घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली परपर्यावरण को नुकसान पहुचाने वाली गतिविधिया ना करे।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

सम्पादकीय

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के काले बादल, वर्ष के अंत तक बड़ा झटका संभव

विश्व अर्थव्यवस्था आज एक गंभीर संकट की तरफ बढ़ती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुद्रास्फीति, बढ़ता हुआ कर्ज और राजनीतिक तनाव आर्थिक गतिविधियों पर भारी असर डाल रहे हैं। अमेरिका, जिसे 1944 के बाद से सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था माना जाता रहा, अब कर्ज के बोझ तले दब गया है। अमेरिका का कर्ज उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से 124 प्रतिशत अधिक हो गया है और देश अपने खर्चों को चलाने के लिए पुराने बॉन्ड बेचने पर निर्भर हो गया है। वहीं, अमेरिका में लॉकडाउन और लाखों लोगों की बेरोज़गारी ने डॉलर की वैश्विक पकड़ को भी कमजोर कर दिया है। कुछ वर्षों पहले तक वैश्विक कारोबार का लगभग 75 प्रतिशत डॉलर में होता था, जो अब घटकर करीब 56 प्रतिशत रह गया है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे है, यह आंकड़ा जल्द ही 50 प्रतिशत से नीचे जा सकता है, जिससे डॉलर मुद्रा को सबसे बड़ा संकट झेलना पड़ेगा। वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच सोने और चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। जब भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता दिखाई देती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्प की तलाश में सोने की ओर रुख करते हैं। 2008 की अमेरिकी मंदी के बाद से दुनिया के फेडरल बैंकों ने बड़े पैमाने पर सोना खरीदा और अपने खजाने में रखा। उस समय अमेरिका के पास लगभग 20,000 टन सोना था, जो अब घटकर मात्र 8,200 टन रह गया है। वहीं, चीन और भारत जैसे देशों में सोने का भंडार पिछले 15 वर्षों में लगातार बढ़ा है। बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी अर्थव्यवस्था में निवेश के नए विकल्प बनते जा रहे हैं। बिटकॉइन की कीमत पिछले एक साल में लगभग दोगुनी होकर 52 लाख रुपए से 1.1 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, लेकिन क्रिप्टो अभी भी सबसे जोखिम भरी मुद्रा मानी जाती है। एथेरियम, सोलाना, डोजकॉइन जैसी अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी बाजार में सक्रिय हैं और वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाने का कारक बन सकती हैं। विश्वविख्यात लेखक और आर्थिक विशेषज्ञ रॉबर्ट कियोसाकी, जिन्होंने 'रिच डैड पुअर डैड' जैसी चर्चित किताबें लिखी हैं, का मानना है कि बैंकों में पैसा रखना सुरक्षित विकल्प नहीं है। उनका कहना है कि 2026 के अंत तक कर्ज और मुद्रास्फीति के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर संकट आना तय माना जा सकता है। ऐसे समय में निवेशकों को अपनी पूंजी का संरक्षण करना चाहिए। कियोसाकी के अनुसार, नगदी को छोड़कर निवेश सोने, चांदी, म्युचुअल फंड और शेयर बाजार जैसे विकल्पों में किया जाना चाहिए, जहां अल्पकालिक उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो। पिछले 30 वर्षों में वैश्विक कर्ज की गंगा लगातार तेजी के साथ बढ़ती रही है। विश्व के सभी देशों की सरकारें, राज्य सरकारें, स्थानीय संस्थाएँ और यहां तक कि 80-90 फीसदी परिवार भी कर्ज में डूब चुके हैं। आमदनी के मुकाबले खर्च लगातार बढ़ रहा है। जब भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता दिखाई देती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्प की तलाश में सोने की ओर रुख करते हैं। 2008 की अमेरिकी मंदी के बाद से दुनिया के फेडरल बैंकों ने बड़े पैमाने पर सोना खरीदा और अपने खजाने में रखा। उस समय अमेरिका के पास लगभग 20,000 टन सोना था, जो अब घटकर मात्र 8,200 टन रह गया है। वहीं, चीन और भारत जैसे देशों में सोने का भंडार पिछले 15 वर्षों में लगातार बढ़ा है। बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी अर्थव्यवस्था में निवेश के नए विकल्प बनते जा रहे हैं। अमेरिका जैसे विकसित देशों का कर्ज बेहिसाब बढ़ रहा है। अमेरिका ने ईराक से लेकर अभी तक सैकड़ों प्रतिबंध लगाकर डालर से कारोबार रोकन और डालर जप्त करने का जो खेल खेला है, उससे डालर की विश्वसनीयता अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर समाप्त होने से डॉलर का प्रभुत्व लगातार घट रहा है। इसके कारण ब्रिक्स देशों की मुद्रा, यूरो, चीन का युआन और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्रा विकल्पों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। इस परिदृश्य में सोना और चांदी न केवल सुरक्षित निवेश बल्कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और वैश्विक कारोबार में स्वीकार्य विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं, भविष्य में सोना वैश्विक मुद्रा के रूप में प्रमुख भूमिका निभा सकता है। वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए निवेशकों और आम नागरिकों के लिए यह जरूरी है। वह अपने धन को सुरक्षित क्षेत्रों में निवेश करें। विविध क्षेत्रों में सोच-समझकर निवेश करने से न केवल आर्थिक संकट के समय नुकसान कम होगा, बल्कि संपत्ति की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। वर्तमान आर्थिक संकेतों के आधार पर कहा जा सकता है। इस वर्ष के अंत तक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। निवेशकों को समय रहते तैयार रहना चाहिए। भारत के उपर भी कर्ज 4 गुना बढ़ गया है। बैंकों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। ऐसी स्थिति में विविध निवेश में समझदारी है।

गरीबी है मानवता के भाल पर बड़ा कलंक

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में गरीबी को खत्म करने के प्रयासों और संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस दिन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों के संघर्ष को स्वीकार करना और गरीबी के विभिन्न आयामों, जैसे कि आय की कमी, स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुँच की कमी आदि को संबोधित करना है। 2025 की थीम 'परिवारों के लिए सम्मान और प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करके सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना' है। इस दिवस का उद्देश्य गरीबी और इसके कारणों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

विश्व समुदाय हर वर्ष 17 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि मानवता के समक्ष खड़ी सबसे बड़ी चुनौती पर मंथन का अवसर है। सभ्यता के विकास, तकनीकी प्रगति, आर्थिक विस्तार और वैश्विक व्यापार के बावजूद आज भी करोड़ों लोग रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं। गरीबी एक आर्थिक स्थिति मात्र नहीं है, यह मनुष्य की गरिमा पर सबसे बड़ा आघात है-यह उसके सपनों, आत्मविश्वास और अस्तित्व को कुचलने वाला सामाजिक अभिशाप है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में गरीबी को खत्म करने के प्रयासों और संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस दिन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों के संघर्ष को स्वीकार करना और गरीबी के विभिन्न आयामों, जैसे कि आय की कमी, स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुँच की कमी आदि को संबोधित करना है। 2025 की थीम 'परिवारों के लिए सम्मान और प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करके सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना' है। इस दिवस का उद्देश्य गरीबी और इसके कारणों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, तथा गरीबी से जूझ रहे लोगों की समस्याओं को उजागर करना है।

आज दुनिया में लगभग सत्तर करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक अत्यंत गरीबी का अंत किया जाए, परंतु यह लक्ष्य अभी भी दूर प्रतीत होता है। युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमान आर्थिक नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि और बेरोज़गारी ने गरीबी को नया रूप दिया है। अब गरीबी केवल रोटी की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता और सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक बन चुकी है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन कहते हैं-गरीबी केवल आय का प्रश्न नहीं है, यह स्वतंत्रता की कमी है। अर्थात जब किसी व्यक्ति के पास अपने जीवन को अपनी इच्छा के अनुसार ढालने के अवसर नहीं होते, तभी वास्तविक गरीबी जन्म लेती है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में गरीबी घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के अनुसार, 2013-14 में जहाँ देश की 29 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीबी में थी, वहीं 2019-21 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गई। परंतु यह सफलता पूर्ण नहीं कही जा सकती, क्योंकि गरीबी का असर ग्रामीण इलाकों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर अभी भी अधिक है। गरीबी का सबसे बड़ा प्रभाव शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता है-जहाँ गरीब बच्चे स्कूल छोड़ने पर मजबूर होते हैं, वहीं परिवार बीमारी का खर्च नहीं उठा पाते। यह चक्र दर चक्र उन्हें फिर गरीबी में धकेल देता है।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी उन्मूलन के लिये उल्लेखनीय एवं सफलतम उपक्रम किये हैं, उन्होंने गरीबी को राष्ट्र निर्माण की केंद्र बिंदु नीति के रूप में प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में सरकार ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई को केवल कल्याण योजनाओं तक सीमित न रखकर आत्मनिर्भरता के आंदोलन में बदल दिया। जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी ने गरीबों को औपचारिक बैंकिंग से जोड़ा, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से करोड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों के सिर पर छत का सपना साकार किया और अब तक चार करोड़ से अधिक घरों का निर्माण हुआ है। उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्त जीवन दिया और यह योजना केवल गैस सिलेंडर नहीं, बल्कि समानता और सम्मान का प्रतीक बनी। आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने महामारी के कठिन दौर में गरीबों को सुरक्षा कवच दिया, वहीं आत्मनिर्भर भारत अभियान ने गरीबी उन्मूलन का दीर्घकालिक रास्ता रोज़गार, कौशल और स्वाभिमान के माध्यम से खोला। प्रधानमंत्री का यह कथन इस दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है-गरीबी को खत्म करने के लिए सरकार नहीं, समाज को भी संवेदनशील बनना होगा। जब हर गरीब का सपना हमारा सपना बनेगा, तभी समृद्ध भारत बनेगा। गरीबी केवल सरकारी योजनाओं से नहीं मिटेगी; इसके लिए एक व्यापक मानव-केंद्रित सोच की आवश्यकता है। शिक्षा को अधिकार नहीं, अवसर बनाना होगा, हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण मिलना चाहिए। समान आर्थिक अवसरों की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई घटे। पूंजी का उद्देश्य केवल मुनाफा नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण भी होना चाहिए। साथ ही, महात्मा गांधी के शब्दों में, गरीबी सबसे बड़ी हिंसा है''-यह भावना हमारे सामाजिक चरित्र में उतरनी चाहिए। जब तक समाज करुणा और साझेदारी की भावना नहीं अपनाएगा, तब तक गरीबी का अंत संभव नहीं। भारत आज गरीबी उन्मूलन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है-जहाँ विकास का अर्थ केवल जीडीपी नहीं, बल्कि गरीब का उत्थान है।

मोज शोक के लिए फटाके फोड़ो, लेकिन उसे धर्म और परंपरा से न जोड़ो

प्रतीक संघवी

भारत में दीवाली का त्योहार रोशनी, रंगोली, और खुशियों का प्रतीक है। यह वह समय है जब हम अपने घरों को दीयों से सजाते हैं, मिठाइयाँ बाँटते हैं, और अपनों के साथ उत्सव मनाते हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में, दीवाली का एक और पहलू चर्चा में रहा है फटाके। फटाकों का शोर, धुआँ, और पर्यावरण पर उनका प्रभाव अब एक गंभीर बहस का विषय बन चुका है। सवाल यह है कि क्या फटाके वाकई हमारी दीवाली की परंपरा का हिस्सा हैं और क्या इन्हें धर्म से जोड़ना उचित है भारत में फटाकों का इतिहास भारत में फटाकों का इतिहास ज्यादा पुराना नहीं है। इतिहासकारों के अनुसार, फटाकों की शुरुआत चीन में हुई थी, और भारत में ये मध्यकाल में, लगभग 15वीं-16वीं सदी में, मुगल शासकों के समय प्रचलन में आए। उस समय फटाकों का उपयोग युद्ध, समारोहों, और शाही उत्सवों में होता था। दीवाली जैसे धार्मिक पर्वों में फटाकों का व्यापक उपयोग 20वीं सदी में ही शुरू हुआ। यानी, फटाके हमारे हजारों साल पुराने सांस्कृतिक इतिहास का हिस्सा नहीं हैं। फिर भी, आज इन्हें दीवाली की परंपरा का अभिन्न अंग मान लिया गया है। दीवाली में परंपरा का इतिहास और विज्ञान। दीवाली का मूल आधार हैप्रकाश और ज्ञान का उत्सव। यह पर्व श्री राम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है, जब नगरवासियों ने दीयों से उनका स्वागत किया था। दीये, रंगोली, और मिठाइयाँ दीवाली की आत्मा हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, मिट्टी के दीये जलाने से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। तेल और बाती का दहन न केवल प्रकाश देता है, बल्कि पर्यावरण को शुद्ध करने में भी मदद करता है। वैसे ही घी में किए गए दिए बहुत मात्रामे ऑक्सीजन उत्पन्न करते हे। साथमे रंगोली बनाने की परंपरा रचनात्मकता और सौंदर्य को बढ़ावा देती है, जो मन और आत्मा को सुकून देती है।और आपकी कला प्रस्तुत करने का मौका देती हे। दूसरी ओर, फटाकों का वैज्ञानिक प्रभाव चिंताजनक है। फटाकों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण को बढ़ाता है, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, और अन्य हानिकारक कण शामिल होते हैं। यह न केवल मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि पशु-पक्षियों और पर्यावरण को भी नुकसान पहुँचाता है। शोर प्रदूषण से बच्चों, बुजुर्गों, और पालतू जानवरों को गंभीर परेशानी होती है। फिरभी दुख तो तब होता हे जब हम अपने धर्म को दूसरे धर्म को जोड़के बोलते हे की दीवाली हे तो फटाके फोड़ेंगे वह धर्म को यह कहो वह कहो। इससे यह लगता हे की 400 साल पुराने फटाके हजारों साल पुराने इतिहास पर भारीहमारा सांस्कृतिक इतिहास हजारों साल पुराना है, जिसमें दीवाली का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व गहराई से जुड़ा है। लेकिन फटाके, जो केवल 400-500 साल पहले भारत आए, क्या वाकई इस प्राचीन परंपरा का हिस्सा हो सकते हैं फटाकों को दीवाली से जोड़ना एक आधुनिक चलन है, जिसे हमने मनोरंजन के लिए अपनाया। यह शोख और उत्साह का प्रतीक हो सकता है, लेकिन इसे धर्म या परंपरा का हिस्सा मानना गलत है। हमारे शास्त्रों में दीवाली का उल्लेख दीयों, पूजा, और भक्ति के साथ है, न कि शोर और धुएँ के साथ।फटाकों को धर्म से जोड़कर आप धर्म के विरुद्ध जा रहे हैं। हिंदू धर्म में प्रकृति को पूजनीय माना गया है। नदियाँ, पर्वत, वृक्ष-सबको देवता के रूप में देखा जाता है। दीवाली का असली संदेश है अंधेरे पर प्रकाश की जीत, अज्ञान पर ज्ञान की विजय। फटाकों का धुआँ और शोर न तो प्रकाश बढ़ाता है, न ही ज्ञान। यह केवल क्षणिक मोज देता है, जिसका मूल्य पर्यावरण और स्वास्थ्य के नुकसान के रूप में चुकाना पड़ता है। फटाकों को धर्म से जोड़कर हम अनजाने में अपने ही धर्म के मूल्यों के खिलाफ कार्य कर रहे हैं।

चिंतन-मनन

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे। तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अत-कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे। आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है। भले ही कोई लाखों वर्षों तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

खास बात

भारत में गरीब को कभी गुस्सा क्यों नहीं आता

भारत का गरीब हर हाल में जीवन जीना जानता है ।भले उसे घास की रोटी खानी पड़े । घास की रोटी तो महाराणा प्रताप ने भी खाई है ।जब गरीब आदमी घास पर भी जीवित रह जाता है ।भगवान गरीबों को हर हाल में जिंदा रखता है ।गरीब के कारण ही भगवान का अस्तित्व है ।अमीर तो भगवान को मानते नहीं है ।भगवान के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए गरीब कभी गुस्से में नहीं आता है ।वह कभी हिंसक नहीं होता है ।गुलामी की तरह किसी भी स्थिति में संतोष के साथ जीवित रह लेता है ।यही गरीबों की विशेषता है । लोकतंत्र में जब गरीब और अमीर सभी को एक समान अधिकार है ।उसके बाद भी गरीबों का शांत रहना,कुछ आश्चर्य जनक है ।

लोकतंत्र को असली खतरा, गरीबों से नहीं, भय से ।

कहा जाता है, भारत में कभी क्रांति नहीं हो सकती है ।गरीब क्रांति नहीं कर सकते हैं । असल में क्रांति का संबंध गरीबी से नहीं भय से है ।हजारों भेडों को रेण को कुछ गडरिये अपने इशारे पर नियंत्रित कर लेते हैं ।भेड़ गडरिया की आवाज पर रेण के पीछे चलती-चली जाती हैं ।भेणों को लगता है, गडरिया उनकी जान बचा रहा है ।गडरिया उन्हें घास भी खिला रहा है ।भेड़ का भाई और आम आदमी का भय एक सा होता है ।भयभीत लोग कभी क्रांति नहीं कर सकते हैं ।5 किलो अनाज, फ्री का नमक गरीबों के जीवन का आधार है । भय से ग्रसित लोग कभी क्रांति नहीं कर सकते हैं ।गरीब लड़ने-मरने के लिए कभी भी तैयार रहता है ।बेसरते वह निर्भय हो ।स्वतंत्र जीवन का अधिकार रखता हो ।

मुगलों और क्षत्रियों में बना रोटी बेटी का संबंध

भारत में मुगलों के और क्षत्रियों के बीच में रोटी-बेटी का संबंध था ।दोनों एक दूसरे में समाहित हो गए थे ।बादशाह अकबर और राजा मानसिंह ने भारत में इस्लाम और रोटी बेटी से संबंध बनाकर राज किया था ।वर्ण व्यवस्था उस समय ढीली पड़ गई थी ।उस समय ना तो हिंदू बढ़े,नाही इस्लाम धर्म भारत में बढा ।पिछले एक दशक में सारी दुनिया में इस्लाम और ईसाई धर्म का विस्तार हुआ ।इससे कोई इनकार नहीं कर सकता है ।हम वर्ण व्यवस्था और सनातन में फंसे रहे ।अपने ही लोगों का शोषण करते रहे ।हिंदुओं को ही जात से बाहर करते रहे ।उनका हुक्का पानी बंद करने में लगे रहे ।सारे जीवन भर चमार-मेहतर दलित और अछूत करते रहे ।जब वह हिन्दू धर्म छोड़कर चले गए ।तब हम हिंदू- मुसलमान,ईसाई और बौद्ध का डिंडोरा पीट रहे हैं । लेकिन यह क्यों हुआ, हम यह आज भी समझने के लिए तैयार नहीं है ।जब राजा महाराजाओं ने अपना रोटी बेटी का संबंध बना लिया ।तब यह सनातनी कहा थे ।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिलाओं को जगह

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री भारत के दौरे में आए थे ।पहली बार उन्होंने पत्रकार वार्ता की थी ।उसमें महिलाओं का प्रवेश निषेध था ।जबरदस्त विरोध हुआ, उसके बाद उन्होंने दूसरी पत्रकार वार्ता बुलाई और उसमें महिलाओं को आगे बिठाया ।बहुत समय के बाद महिला पत्रकारों को लेकर पत्रकार जगत में जो आत्मसम्मान देखने को मिला था ।विरोध करने में उसका परिणाम भी देखने को मिला ।जब लड़ोगे, तभी कुछ मिलेगा ।डरोगे, तो जो हो रहा है उससे भी ज्यादा खराब होगा।यह चर्चा पत्रकारों के बीच में होने लगी है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, कार्तिक कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, एकादशी, शुक्रवार, मघा नक्षत्रे, शुभ योगे, वालव करणे, सिंह की चंद्रमा, श्री रंभा व्रत, सर्वे गोवत्स द्वादशी, तुलायाम रवि पूजनश्च 54/38 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान किन्तु जिद्दी-हठी, योगी-भोगी, नेता-अभिनेता, पुलिस, सिपाही, सैनिक, इंजीनियर, डॉक्टर, प्रोफेसर, कर्मयोगी, कर्मशील, लड़ाकू प्रवृत्ति का होगा।

मेष राशि- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, संतोष व सफलता के साधन बनेंगे, समय का ध्यान अवश्य रखें।

वृष राशि- समय आराम से बीतेगा, व्यवसायिक क्षमता व कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, परिश्रम से कार्य पूर्ण होंगे।

मिथुन राशि- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, इष्ट मित्रों से परेशानी अशांति का कारण बनेगी, धैर्य रखें।

कर्क राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, कुटुम्ब की समस्याओं में समय बीतेगा, धैर्य रखकर कार्य अवश्य बना लें।

सिंह राशि- प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, बड़े लोगों से मेल-मिलाप हर्षप्रद होगा, समय व सुविधा के अनुसार कार्य बना लें।

कन्या राशि- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि होगी, कार्यक्षमता बढ़ेगी, समाज में प्रतिष्ठा के योग बनेंगे, लाभ होगा।

तुला राशि- मान-प्रतिष्ठा व प्रभुत्व में वृद्धि होगी, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, समय पर कार्य पूर्ण करने से लाभ होगा।

वृश्चिक राशि- अधिकारियों से सम्पर्क फलप्रद होगा, समाज में मान-प्रतिष्ठा अवश्य बढ़ेगी, आलस्य से हानि होगी।

धनु राशि- अचानक कोई शुभ समाचार मिलेगा, कार्यगति में सुधार होगा, चिन्तायें कम होंगी, समय स्थिति का लाभ लें।

मकर राशि- स्थिति यथावत् रहेगी, सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे, परिश्रम से कार्य बनेंगे, विशेष कार्यों पर ध्यान दें।

कुंभ राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, शरीर कष्ट से चिन्ता होगी, उत्तम जस की स्थिति बनेगी, स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन राशि- इष्ट मित्र सहायक होगा, दैनिक कार्यगति में अनुकूलता बनेगी, परिश्रम से कार्यगति में निरंतरता आयेगी ध्यान दें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

17 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	**तुला**	06.03 बजे से
चंद्र	सिंह में	**वृश्चिक**	08.18 ब.से
मंगल	तुला में	**धनु**	10.34 बजे से
बुध	तुला में	**मकर**	12.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	**कुंभ**	14.25 बजे से
शुक्र	कन्या में	**मीन**	15.58 बजे से
शनि	मीन में	**मेष**	17.28 बजे से
राहु	कुंभ में	**वृष**	19.09 बजे से
केतु	सिंह में	**मिथुन**	21.07 बजे से
राहुकाल		**कर्क**	23.20 बजे से
10.30 से		**सिंह**	01.36 बजे से
12.00 बजे तक		**कन्या**	03.48 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 290 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि एकादशी 11.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 13.58 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 01.49 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 11.13 बजे तदनन्तर कौलव 23.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 09° 16'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872500
जूलियन दिन 2460965.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी **तारीख** 24
विशेष रमा एकादशी, गोवत्स द्वादशी, तुला संक्रांति।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	**रोग**	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	**काल**	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	**लाभ**	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	**उद्वेग**	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	**शुभ**	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	**अमृत**	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	**चर**	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	**रोग**	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

इंजीनियरिंग की इन पांच ब्रांचों में हैं अच्छे अवसर

पिछले कुछ सालों में कारोबार जगत की मांग में बदलाव आया है। ऐसे में अगर आप इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो उस ब्रांच के बारे में पता कर ले कि उसमें कितनी नौकरियां हैं। सैलरी कितनी मिलेगी और अगले 5-10 सालों तक उसका स्कोप क्या रहेगा।

इस साल या अगले साल कौन सा इंजीनियरिंग कोर्स डिमांड में रहेगा, इसके लिए आप किसी काउंसलर से भी सलाह ले सकते हैं! बीटेक कॉलेज में एडमिशन लेते समय अपनी रुचि का भी ध्यान रखें। टॉप 5 बीटेक कोर्स, जिनकी कई सालों तक मांग रहेगी और उनमें वेतन भी अच्छा मिलेगा।

1 कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग

आईटी के इस दौर में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग कोर्स सबसे लोकप्रिय और मांग वाला कोर्स है। इसके सिलेबस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), डेटा साइंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे टॉपिक्स शामिल हैं। भारत में टेक इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है और इसीलिए सीएसई ग्रेजुएट्स की डिमांड भी बढ़ रही है।

करियर विकल्प: सॉफ्टवेयर डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ, एआईएलएल इंजीनियर.

औसत वेतन: फ्रेशर्स के लिए 4-10 लाख रुपये प्रति वर्ष, अनुभव के साथ 20 लाख रुपये तक.

2 इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग ईसीई

इंटरनेट ऑफ थिंग्स और वायरलेस टेक्नोलॉजी की बढ़ती मांग के कारण यह कोर्स भविष्य के लिए अच्छा है। यह इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, कम्युनिकेशन नेटवर्क और एम्बेडेड सिस्टम पर फोकस्ड है.

करियर विकल्प: टेलीकॉम इंजीनियर, नेटवर्क इंजीनियर, एम्बेडेड सिस्टम डिजाइनर।

औसत वेतन: फ्रेशर्स के लिए 3-8 लाख रुपये प्रति वर्ष.

3 मैकेनिकल इंजीनियरिंग एमई

यह बीटेक की एवरग्रीन ब्रांच है, जो ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस, मैन्युफैक्चरिंग और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में अवसर प्रदान करती है। ऑटोमेशन और 3D प्रिंटिंग जैसी नई टेक्नीक्स ने इसकी डिमांड बढ़ा दी है।

करियर विकल्प: मैकेनिकल डिजाइन इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर, ऑटोमोटिव इंजीनियर.

औसत वेतन: फ्रेशर्स के लिए 3-6 लाख रुपये प्रति वर्ष, अनुभव के साथ 10 लाख रुपये तक.

4- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिक वाहन (इवी) और ऑटोमेशन में प्रोग्रेस के चलते इस बीटेक कोर्स की डिमांड बढ़ रही है। यह बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम पर केंद्रित है।

करियर विकल्प: पावर सिस्टम इंजीनियर, ऑटोमेशन इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल डिजाइन इंजीनियर।

औसत वेतन: फ्रेशर्स के लिए 4-7 लाख रुपये प्रति वर्ष.

5 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग (एआईएलएल)

एआई और एमएल उभरते हुए क्षेत्र हैं, जो हेल्थकेयर, फाइनेंस और ऑटोमोटिव जैसी इंडस्ट्रीज में क्रांति ला रहे हैं. यह एक स्पेशलाइज्ड कोर्स है। कई संस्थानों में यह सीएसई के तहत या अलग से उपलब्ध है.

करियर विकल्प: एआई इंजीनियर, एमएल इंजीनियर, डेटा एनालिस्ट.

औसत वेतन: फ्रेशर्स के लिए 5-12 लाख रुपये प्रति वर्ष, उच्च मांग के कारण अधिक भी हो सकता है।

एथिकल हैकर की मांग बढ़ी

आजकल जिस प्रकार से साइबर अपराध बढ़ते जा रहे हैं। उसको देखते हुए एथिकल हैकर की मांग तेजी से बढ़ रही है। एथिकल हैकर का काम अपने कौशल का इस्तेमाल कर कंपनियों और लोगों को साइबर हमले से बचाना हैं। एथिकल हैकर कंप्यूटर सिस्टम की कमजोरियों का पता लगाकर साइबर हमले रोकते हैं।

आजकल जिस प्रकार से साइबर अपराध बढ़ रहा है, उससे एथिकल हैकर्स की भी मांग भी तेजी से बढ़ी है। सरकारी क्षेत्र से लेकर निजी क्षेत्र सभी में इनके लिए अवसर काफी ज्यादा है। हालात ये है कि जरुरत जितनी है उससे इसके पेशेवरों की तादाद काफी कम है। ऐसे में यह एक फायदेमंद, रोमांचक और महत्वपूर्ण कॅरियर बन गया है। ऐसे में अगर आप भी कंप्यूटर और हैकिंग में रुचि रखते हैं, तो आप एथिकल हैकिंग की बारीकियां सीखकर इस क्षेत्र में उतर सकते हैं।

एथिकल हैकर बनने के लिए उम्मीदवार को कंप्यूटर सिस्टम से जुड़ी सभी अहम जानकारियां होनी चाहिए। इसमें स्क्रिप्टिंग, ऑपरेटिंग सिस्टम नेटवर्किंग का अच्छा ज्ञान, प्रोग्रामिंग पर अच्छी पकड़, सर्वर और सर्च इंजन, डाटाबेस की अच्छी समझ, नई तकनीकों से उसे लगातर अपडेट रहना होगा। इसके साथ ही विंडोज, लिनक्स और पायथन जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम की भी पूरी जानकारी होनी चाहिये।

विदेशी भाषा सीखकर तेजी से आगे बढ़ें

आज के वैश्विक युग में विदेशी भाषाओं का ज्ञान युवाओं के लिए नए अवसर खोल रहा है। विदेशी भाषाओं में दक्षता रखने वाले पेशेवर न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अत्यधिक मांग में हैं। व्यापार, पर्यटन, शिक्षा, अनुवाद, अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और सरकारी क्षेत्रों में इन भाषाओं का ज्ञान रोजगार के अवसरों को व्यापक बनाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी भाषाओं में दक्षता युवाओं को ग्लोबल करियर के लिए तैयार करती है और उनकी आय की संभावनाओं को भी बढ़ाती है।

रशियन भाषा सीखने से छात्र और पेशेवर रूस और पूर्वी यूरोप के देशों में व्यापार, तकनीकी सहयोग और सांस्कृतिक परियोजनाओं में अवसर पा सकते हैं। तेल, गैस, इंजीनियरिंग, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्रों में रूस के साथ सहयोग बढ़ रहा है, जिससे रूसी भाषा जानने वाले विशेषज्ञों की मांग तेजी से बढ़ी है। वहीं, चाइनीज या मंदारिन सीखने से चीन के साथ व्यापार, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्र में कई अवसर मिलते हैं। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और यहां से व्यापारिक सौदे, तकनीकी सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए भाषा विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्पेनिश भाषा की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। स्पेनिश बोलने वाले पेशेवर लैटिन अमेरिका, स्पेन और अमेरिका के कई क्षेत्रों में नौकरी पा सकते हैं। पर्यटन, शिक्षा, अनुवाद, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और डिजिटल मार्केटिंग में स्पेनिश का ज्ञान युवाओं के लिए नया करियर विकल्प बन गया है। जापानी भाषा सीखने से जापान की तकनीकी कंपनियों, शिक्षा संस्थानों और सांस्कृतिक प्रोजेक्ट्स में रोजगार के अवसर मिलते हैं। जापान में आईटी, ऑटोमोबाइल, रोबोटिक्स और प्रबंधन क्षेत्र में उच्च दक्षता वाले भाषा विशेषज्ञों की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।

विदेशी भाषाओं में करियर बनाने के लिए उम्मीदवार को केवल भाषा सीखने की ही जरूरत नहीं है, बल्कि उसे व्यावहारिक अनुप्रयोग, अनुवाद और संवाद कौशल में भी दक्ष होना चाहिए। भारत में कई संस्थान और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विदेशी भाषा सीखने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। इसके अलावा कई विश्वविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स उपलब्ध हैं, जो पेशेवर करियर में मददगार साबित होते हैं।

भाषा विशेषज्ञों के लिए करियर विकल्प भी कई हैं। इनमें अनुवादक, टूर गाइड, कॉन्टेंट लेखक, इंटरप्रेटर, भाषा प्रशिक्षक, विदेशी कंपनियों में विशेषज्ञ और अंतरराष्ट्रीय व्यापार सलाहकार शामिल हैं। विदेशी भाषा जानने वाले पेशेवर न केवल बेहतर वेतन कमा सकते हैं बल्कि उन्हें वैश्विक नेटवर्क बनाने और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में काम करने का अवसर भी मिलता है।

ट्यूशन और कोचिंग इंडस्ट्री में भी हैं अवसर

शिक्षा क्षेत्र आज भारत में सबसे तेजी से बढ़ रहा बाजार है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों में ट्यूशन और कोचिंग की मांग इतनी बढ़ गई है कि यह युवाओं के लिए करियर बनाने का सुनहरा मौका बन गया है। पहले जहां ट्यूशन केवल अतिरिक्त आय का जरिया माना जाता था, वहीं अब यह एक स्थायी और प्रतिष्ठित पेशा बन चुका है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार और प्रतियोगी परीक्षाओं की बढ़ती संख्या ने इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को कई गुना बढ़ा दिया है।

कोचिंग और ट्यूशन इंडस्ट्री की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें किसी भारी निवेश की जरूरत नहीं होती। यदि किसी के पास विषय का अच्छा ज्ञान, पढ़ाने की कला और छात्रों को समझने की क्षमता है, तो वह आसानी से इस क्षेत्र में करियर शुरू कर सकता है। आज स्कूल स्तर से लेकर इंजीनियरिंग, मेडिकल, बैंकिंग, सिविल सर्विस और सरकारी नौकरी की तैयारी तक, हर स्तर पर कोचिंग की मांग बढ़ी है। इसके अलावा, अंग्रेजी बोलने, व्यक्तित्व विकास, कंप्यूटर शिक्षा, ग्राफिक डिजाइनिंग और डिजिटल मार्केटिंग जैसे कोर्सों में भी प्रशिक्षक और ट्यूटर की जरूरत बढ़ रही है।

डिजिटल शिक्षा ने इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। अब शिक्षक न केवल अपने शहर में बल्कि देश और विदेश में भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए छात्रों को पढ़ा सकते हैं। ऑनलाइन एजुकेशन प्लेटफॉर्म हजारों शिक्षकों को रोजगार दे रहे हैं। वहीं, स्वतंत्र रूप से काम करने वाले ट्यूटर्स भी पोर्टल्स पर अपनी प्रोफाइल बनाकर पढ़ाने का अवसर पा रहे हैं। इससे घर बैठे अच्छा खासा सम्मान और आय दोनों अर्जित की जा सकती है।

ट्यूशन और कोचिंग क्षेत्र में करियर के लिए किसी विशेष डिग्री की अनिवार्यता नहीं है, लेकिन विषय में गहराई और विद्यार्थियों के साथ संवाद कौशल बहुत जरूरी है। अच्छे शिक्षकों की कमाई आज लाखों रुपये सालाना तक पहुंच चुकी है। छोटे शहरों में भी एक सफल कोचिंग सेंटर चलाने वाले शिक्षकों को स्थिर आय और सामाजिक प्रतिष्ठा दोनों मिलती है। सरकार भी स्किल इंडिया और डिजिटल एजुकेशन मिशन के तहत युवाओं को प्रशिक्षक के रूप में तैयार कर रही है ताकि वे रोजगार सृजन में योगदान दे सकें। शिक्षा में प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रयोग के चलते भविष्य में ऑनलाइन और हाइब्रिड कोचिंग मॉडल और मजबूत होंगे।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में शिक्षा उद्योग का बाजार 2030 तक 300 अरब डॉलर से अधिक का हो सकता है, जिसमें ट्यूशन और कोचिंग की भूमिका सबसे अहम होगी। ऐसे में यह क्षेत्र न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है, बल्कि देश की ज्ञान अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दे रहा है।

ड्रोन पायलट के लिए हैं काफी संभावनाएं

ड्रोन अब सिर्फ फोटोग्राफी या मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है, बल्कि सुरक्षा, कृषि, आपदा प्रबंधन और डिलीवरी सेवाओं जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। ड्रोन को सुरक्षित और सटीक तरीके से उड़ाने वाले व्यक्ति को ड्रोन पायलट कहा जाता है। भारत में ड्रोन पायलट बनने के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से मान्यता प्राप्त रिमोट पायलट लाइसेंस जरूरी होता है। यह लाइसेंस सुनिश्चित करता है कि ड्रोन ऑपरेटर तकनीकी रूप से प्रशिक्षित है और ड्रोन उड़ान के सभी सुरक्षा मानकों का पालन करता है।

ड्रोन ायलट बनने के लिए उम्मीदवार की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए और उसे 10वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा पास करनी होती है। इसके बाद डीजीसीए द्वारा अधिकृत किसी ड्रोन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट से प्रशिक्षण लेना पड़ता है। यह प्रशिक्षण आमतौर पर 5 से 7 दिनों का होता है, जिसमें ड्रोन के सिद्धांत, उड़ान के नियम, मौसम की स्थिति का अध्ययन, नेविगेशन और आपातकालीन स्थिति से निपटने के तरीके सिखाए जाते हैं। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उम्मीदवार को थ्योरी और प्रैक्टिकल परीक्षा पास करनी होती है, जिसके बाद डीजीसीए की वेबसाइट पर से रिमोट पायलट लाइसेंस जारी किया जाता है।

ड्रोन के विभिन्न वर्ग होते हैं नैनो, माइक्रो, स्मॉल, मीडियम और लार्ज। जिन ड्रोन का वजन 250 ग्राम से कम होता है, उन्हें उड़ाने के लिए किसी लाइसेंस की जरूरत नहीं होती, लेकिन जिनका वजन इससे अधिक है, उनके लिए डीजीसीए की अनुमति जरूरी होती है। ड्रोन पायलटों की मांग सरकारी संस्थानों, रक्षा सेवाओं, कृषि कंपनियों, सर्वे एजेंसियों और फिल्म प्रोडक्शन हाउसेज में तेजी से बढ़ रही है।

ड्रोन तकनीक से नई नौकरियों का रास्ता खुला है और सरकार भी इस क्षेत्र में युवाओं को प्रोत्साहित कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

बाबर आजम से मिलने ड्रेसिंग रुम पहुंचा प्रशंसक गिरफ्तार

लाहौर। यहां के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहला टेस्ट मैच जीता है पर इस दौरान एक प्रशंसक के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के ड्रेसिंग रूम तक पहुंचने से सुरक्षा में लापरवाही का मामला भी सामने आया है। इससे पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सुरक्षा इंतजामों की पोल भी खुल गयी है। इस प्रकार एक व्यक्ति के ड्रेसिंग रुम तक पहुंचने से अफरातफरी मच गयी।.
एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक युवा प्रशंसक जब ड्रेसिंग रूम पहुंचा तब उस समय बाबर ड्रेसिंग रूम नही थे। कोचिंग स्टाफ ने इस प्रशंसक को लेकर तुरंत सुरक्षा टीम को जानकारी दी। उसके बाद कुछ ही समय में इस व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पीसीसबी ने हालांकि इस घटना पर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। जिससे भी हैरानी जतायी जा रही है।

एक दशक में आईपीएल की ब्रांड वैल्यू घटी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पिछले एक दशक में विश्व की सबसे धनी लीग बनकर उभरी है पर अब लगता है इसके चमक कम होती जा रही है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि आईपीएल की ब्रांड वैल्यू पिछले साल की तुलना में 8 फीसदी कम होकर 82,700 करोड़ से 76,100 करोड़ ही रह गई है। माना जा रहा है कि प्रसारण क्षेत्र में हुए विलय और रियल मनी गेमिंग पर प्रतिबंध से ब्रांड वैल्यू घटी है। यह लगातार दूसरा साल है, जब इस टी-20 लीग के मूल्य में कमी आई है और ये 2023 में 92,500 करोड़ से कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल पारिस्थितिकी तंत्र के मूल्य में गिरावट दो प्रमुख कारणों से आई है।

नेपाल-ओमान ने टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

मस्कट। नेपाल और ओमान ने टी20 विश्व कप 2026 में प्रवेश किया है। यूएई की समोआ पर जीत के साथ ही नेपाल और ओमान की जगह विश्व कप में पक्की हो गयी। ग्रुप चरण में अजेय रहे नेपाल को सुपर सिक्स में दो अंक मिले। वहीं यूएई और कतर के खिलाफ भी उसे जीत मिली थी। मुकाबले जीते। वहीं ओमान ने सुपर सिक्स चरण में जीत के साथ ही दो अंक हासिल किए। उन्होंने कतर के खिलाफ 172 रनों का आराम से बचाव किया और फिर यूएई के खिलाफ एक कड़ा मुकाबला जीता। वहीं समोआ पर जीत के बाद यूएई अंतिम क्वालीफाइंग स्थान की दौड़ में बना हुआ है।

एशिया कप में 314 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे, टी-20 में नंबर-1 बैटर

अभिषेक शर्मा आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के लेफ्ट हैंड बैटर अभिषेक शर्मा को आईसीसी ने सितंबर का आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया है। पिछले महीने टी-20 एशिया कप में उन्होंने ओपनिंग करते हुए भारत को 7 में से 6 मुकाबलों में तेज और मजबूत शुरुआत दिलाई थीं। 314 रन बनाने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी मिला था। विमेंस क्रिकेट में भारत ही की लेफ्ट हैंड बैटर स्मृति मंधाना प्लेयर ऑफ द मंथ बनीं। उन्होंने पाकिस्तान की सिद्रा अमीन और साउथ अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स को हराया।

कुलदीप और ब्रायन बेनेट को पीछे छोड़ा अभिषेक शर्मा ने आईसीसी के मंथली अवॉर्ड की रेस में भारत के ही चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव और जिम्बाब्वे के ओपनिंग बैटर ब्रायन बेनेट को पीछे छोड़ा। कुलदीप ने भी एशिया कप में ही 17 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं बेनेट ने टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर में शतक लगाया था।

अभिषेक बोले- अवॉर्ड पाकर खुश हूं
अवॉर्ड जीतने के बाद अभिषेक ने आईसीसी से कहा, अवॉर्ड जीतकर अच्छा लग रहा है। खुश हूं कि अहम मुकाबलों में परफॉर्मेंस के बाद यह अवॉर्ड मिला। मैं उस टीम का हिस्सा बनकर खुश हूं, जो किसी भी सिचुएशन में जीतने का दम रखती है। टी-20 में बेहतरीन रिकॉर्ड टीम के पॉजिटिव माइंडसेट को दर्शाता है। मैं टीम मैनेजमेंट को धन्यवाद देता हूं।

एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ फिफ्टी लगाई
एशिया कप 2025 में चैंपियन टीम इंडिया ने 7 मैच खेले। 6 मुकाबलों में अभिषेक शर्मा ने 30 से ज्यादा रन बनाए। 3 बार उन्होंने फिफ्टी भी लगाई। इनमें पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-4 स्टेज के मैच में 74 और बांग्लादेश के खिलाफ 75 रन की पारी भी शामिल रहीं। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के साथ उन्होंने सबसे ज्यादा बाउंड्री भी लगाईं। उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा।

अभिषेक टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज
अभिषेक टी-20 बैटर्स की आईसीसी रैंकिंग में नंबर-1 पर भी हैं। वे टी-20 रैंकिंग इतिहास में सबसे ज्यादा 931 पॉइंट्स हासिल करने वाले बल्लेबाज भी बने थे। एशिया कप में प्रदर्शन के दम पर ही वे इस रेटिंग तक पहुंच सके थे। उनसे पहले इंग्लैंड के डेविड मलान के नाम यह रिकॉर्ड था, जिन्होंने 2020 में 919 पॉइंट्स हासिल किए थे। भारत से अभिषेक के अलावा सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली ही 900 प्लस रेटिंग पॉइंट्स तक पहुंच सके हैं।

टी-20 में 2 शतक टी-20 इंटरनेशनल में
अभिषेक के नाम 196.07 के स्ट्राइक रेट से 849 रन हैं। वे 24 ही मुकाबलों में 5 फिफ्टी और 2 शतक लगा चुके हैं। उन्होंने 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ डेब्यू किया था। वे आईपीएल में 2016 की चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड के साथ ओपनिंग करते हैं। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 खेलेंगे अभिषेक अभिषेक शर्मा फिलहाल अपनी घरेलू क्रिकेट टीम पंजाब के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेल रहे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की टी-20 टीम में भी चुना गया है।

जूनियर टेनिस टूर्नामेंट नैतिक, ऋगवेद, आन्या और ऐशवी फ़ाइनल में

इंदौर, निप्र। मध्य प्रदेश टेनिस संघ द्वारा इंदौर टेनिस क्लब में आयोजित वी.एस.एन. ऑल इंडिया टेलेन्ट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट अब अपने निर्णायक दौर में पहुँच गया है। रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों के बाद बालक वर्ग में नैतिक जैन और ऋगवेद मालसे, जबकि बालिका वर्ग में आन्या राठी और ऐशवी जैन ने एकल फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इन चार शीर्ष खिलाड़ियों के अलावा, युगल वर्ग के फ़ाइनलिस्ट भी तय हो चुके हैं। प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला कल दोपहर 03.30 बजे से खेला जाएगा। बालक वर्ग के एकल मुकाबले में नैतिक जैन ने कड़े मुकाबले में अयांश सोनी को 6-2, 2-6, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जहाँ उनका मुकाबला ऋगवेद मालसे से होगा, जिन्होंने ओजस मिश्रा को सीधे सेटों में 7-6(3), 6-2 से पराजित किया। इसी प्रकार, बालिका वर्ग में आन्या राठी ने दीविना धूपर को आसानी से 6-0, 6-1 से हराकर फाइनल में स्थान बनाया, जबकि ऐशवी जैन ने गौरी शर्मा को 6-4, 3-6, 6-4 के संघर्षपूर्ण मुकाबले में मात दी। युगल वर्ग के फाइनल भी निर्धारित हो गए हैं। बालक युगल में नैतिक जैन-ऋगवेद मालसे की जोड़ी ने मेधांश केलात्रा-शिवांश पाटीदार को 6-2, 6-0 से हराया, वहीं रूधव पाटीदार-आरव शिंदे ने ओजस मिश्रा-मितान्त झामनानी को 6-2, 6-3 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। बालिका युगल में दीविना धूपर-ऐशवी जैन ने सान्वी पाहवा-आशना शर्मा को 6-4, 6-1 से और आन्या राठी-अगन्या भदौरिया ने एदीवा धाकड़-अनवी सोनी को 6-2, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

क्वालिफायर में जापान को 8 विकेट से हराया

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की 20वीं टीम बनी यूएई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की 20वीं टीम यूएई बन गई है। टीम ने गुरुवार को ईस्ट एशिया पैसिफिक क्वालिफायर में जापान को 8 विकेट से हरा दिया। ओमान के अल अमीरात स्टेडियम में पहले बैटिंग करने उतरी जापान की टीम 9 विकेट खोकर 116 रन ही बना सकी। श्व ने 12.1 ओवर में 2 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया।

विकेटकीपर वतारु मियाऊची ने 45 रन बनाए अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड पर यूएई ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। जापान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 58 रन पर 8 विकेट गंवा दिए। कप्तान केंडेल काडोवाकी-फ्लेमिंग 4, अभिषेक आनंद 10, बेंजामिन इतो-डाविस 4, चार्ल्स हिंजे 2, डेकलान सुजुकी-मैकॉम्ब 6, इब्राहिम ताकाहाशी 2 और शोमा स्लैटर 2 ही रन बनाकर आउट हो गए। ईसाम रहमान ने पारी संभालकर टीम को 50 के पार पहुंचाया, लेकिन वे भी 23 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। विकेटकीपर वतारु मियाऊची ने फिर आखिरी बैटर अब्दुल समद के साथ पार्टनरशिप की और टीम को किसी तरह 116 रन तक पहुंचा दिया। मियाऊची 45 रन बनाकर नॉटआउट रहे। हैदर अली को 3 विकेट यूएई के लिए हैदर अली ने 20 रन देकर 3 विकेट लिए। मोहम्मद इरफान को 2 विकेट मिले। जुनैद सिद्दीकी, ध्रुव पाराशर और जाहिद अली ने 1-1 विकेट लिया। मोहम्मद फारूक कोई विकेट नहीं ले सके। यूएई की मजबूत शुरुआत 117 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत मजबूत रही। आलिशान शराफू और कप्तान मोहम्मद वसीम ने 70 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। वसीम 26 गेंद पर 42 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद आलिशान ने टीम को 100 रन के करीब पहुंचाया। वे 46 रन बनाकर आउट हुए।

मयंक कुमार और विकेटकीपर राहुल चोपड़ा ने तीसरे विकेट के लिए 22 रन जोड़े और टीम को 13वें ओवर में 8 विकेट से जीत दिला दी।

26 नवंबर को होगा फैसला

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी के लिए अहमदाबाद का नाम प्रस्तावित

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसा करेगा।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को अहमदाबाद को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के लिए प्रस्तावित शहर के रूप में सिफारिश की है। अब इस पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को ग्लासगो में होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली में लिया जाएगा।

अहमदाबाद को मिला समर्थन: भारत को इस बार मेजबानी के लिए नाइजीरिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा था, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स ने नाइजीरिया की भविष्य की मेजबानी की संभावनाओं को बढ़ाने और उन्हें समर्थन देने की

रणनीति बनाने का निर्णय लिया है, जिसमें 2034 के खेलों की संभावित मेजबानी भी शामिल है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसा करेगा। गुजरात का अहमदाबाद अब कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की पूरी सदस्यता के समक्ष पेश किया जाएगा और अंतिम निर्णय 26 नवंबर को लिया जाएगा। गौरतलब है कि भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हुआ था।

व्यापार समाचार

बोले आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा

भारत में 85 प्रतिशत डिजिटल भुगतान यूपीआई के जरिए

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत में करीब 85 प्रतिशत डिजिटल भुगतान लेनदेन यूपीआई के जरिए होता है। देश समावेशी, सुरक्षित और स्केलेबल डिजिटल पब्लिक प्लेटफॉर्म (डीपीपी) के मामले में एक उदाहरण बन सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को वाशिंगटन में यह बात कही। उन्होंने आगे क्या कहा, आइए जानें।

भारत में करीब 85 प्रतिशत डिजिटल भुगतान लेनदेन यूपीआई के जरिए होता है। देश समावेशी, सुरक्षित और स्केलेबल डिजिटल पब्लिक प्लेटफॉर्म (डीपीपी) के मामले में एक उदाहरण बन सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को यह बात कही।

मल्होत्रा ने मंगलवार को वाशिंगटन डीसी में विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की वार्षिक बैठक के अवसर पर आरबीआई की ओर से आयोजित डिजिटल सार्वजनिक प्लेटफार्मों के माध्यम से आर्थिक लचीलापन लाने से जुड़े से कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, डीपीपी समावेशी विकास और नवाचार के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बन गए हैं।

आरबीआई गवर्नर ने डिजिटल पहचान (आधार) और वास्तविक समय भुगतान (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस - यूपीआई) के लिए आधारभूत प्लेटफार्मों ने सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है कि बड़े पैमाने पर लचीली, लागत-कुशल सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली कैसे बनाई जाए।

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने भारत के डीपीपी पारिस्थितिकी तंत्र और डिजिटलीकरण व वित्तीय समावेशन, विशेषकर सरकारी हस्तांतरण भुगतान में उनकी भूमिका के बारे में भी बताया।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वसुधैव कुटुम्बकम की सच्ची भावना के साथ, भारत डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाने के लिए ऐसे प्लेटफार्मों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, हमारे लिए मार्गदर्शक सिद्धांत यह रहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसे प्लेटफॉर्मों का निर्माण सार्वजनिक हित के रूप में किया जाए, जिनमें उपयुक्त सुरक्षा कवच हो और लाभ की कोई मंशा न हो।

उन्होंने आगे कहा कि भारत समावेशी, सुरक्षित और मापनीय डीपीपी के मामले में एक उदाहरण है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की संस्थाएं इन प्लेटफार्मों का लाभ उठाकर ऋण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, कृषि और कई अन्य क्षेत्रों में अनुप्रयोगों को तेजी से विकसित कर सकती हैं। भुगतान प्रणालियों के बारे में मल्होत्रा ने कहा कि यूपीआई एक महत्वपूर्ण डिजिटल सार्वजनिक प्लेटफॉर्म है। यूपीआई ने भुगतान परिदृश्य को बदल दिया है, क्योंकि यह बैंकों के एक खाते से दूसरे खाते में वास्तविक समय में कुशलतापूर्वक भुगतान हस्तांतरण को सक्षम बनाता है। गवर्नर ने कहा, आज भारत में लगभग 85 प्रतिशत डिजिटल भुगतान लेनदेन यूपीआई के माध्यम से किए जाते हैं। हर महीने यूपीआई का उपयोग करके लगभग 20 बिलियन लेनदेन किए जाते हैं, जो 280 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के बराबर मूल्य के होते हैं। मल्होत्रा ने आगे कहा कि यूपीआई एक शक्तिशाली साधन है, जो वित्तीय समावेशन को गति दे रहा है।

अब नेस्ले में भी छंटनी की खबर

कंपनी ने लागत घटाने के लिए 16000 नौकरियों में कटौती का बनाया प्लान

नई दिल्ली, निप्र। नेस्ले नेस्कैफे ड्रिंक्स, पालतू जानवरों के भोजन पुरीना और अन्य उत्पाद बनाती है। कंपनी में अब 16 हजार नौकरियों की छंटनी की तैयारी चल रही है। क्या है पूरा मामला आइए जानते हैं विस्तार से।

खाद्य जगत की दिग्गज स्विस कंपनी नेस्ले ने भी अपने वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने के लिए छंटनी का सहारा लेने का फैसला किया है। खबर है कि कंपनी वैश्विक स्तर पर 16,000 नौकरियों में कटौती करेगी। नेस्ले नेस्कैफे ड्रिंक्स, पालतू जानवरों के भोजन पुरीना और अन्य उत्पाद बनाती है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि अगले दो वर्षों में वह नौकरियों में कटौती कंपनी। स्विस कंपनी ने बताया कि वह अगले वर्ष के अंत तक लागत में कटौती का लक्ष्य बढ़ाकर 3 अरब स्विस फ्रैंक (3.76 अरब डॉलर) कर रही है। पहले यह लक्ष्य 2.5 अरब स्विस फ्रैंक (3.13 अरब अमेरिकी डॉलर) थी।

वेवे, स्विट्जरलैंड स्थित कंपनी के लिए यह साल उथल-पुथल भरा रहा है। पिछले महीने, नेस्ले ने अपने एक प्रत्यक्ष अधीनस्थ के साथ अघोषित संबंधों की जांच के बाद सीईओ लॉरेंट फ्रेइक्स को बर्खास्त कर दिया था। फ्रेइक्से को इस पद पर आए हुए सिर्फ एक साल हुआ था। उनकी जगह नेस्ले के लंबे समय से कार्यकारी रहे फिलिप नवरातिल को नियुक्त किया गया था। फ्रेइक्से को पद से हटाए जाने के कुछ समय बाद ही अध्यक्ष पॉल बुल्के ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नेस्ले भी अन्य खाद्य निर्माताओं की तरह बाहरी चुनौतियों से जूझ रही है। इनमें बढ़ती कमोडिटी लागत और टैरिफ का नकारात्मक प्रभाव शामिल है। कंपनी ने जुलाई में कहा था कि उसने कॉफी और कोको से जुड़ी बढ़ी हुई लागत की भरपाई कीमतों में बढ़ोतरी से की है।

नेस्ले ने गुरुवार को कहा कि वह कई जगहों पर 12,000 व्हाइट-कॉलर पदों को समाप्त करेगी। इन नौकरियों में कटौती से अगले साल के अंत तक 1 अरब स्विस फ्रैंक (1.25 अरब अमेरिकी डॉलर) की सालाना बचत होने की उम्मीद है। कंपनी अपने विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला में चल रही उत्पादकता पहलों के तहत 4,000 नौकरियों में कटौती करेगी। नवरातिल ने एक बयान में कहा, दुनिया बदल रही है और नेस्ले को और तेजी से बदलने की जरूरत है। नेस्ले के शेयरों में सिक्स स्विस एक्सचेंज पर लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

जनवरी से अगस्त के बीच चाय का निर्यात 2.2 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता। देश से चाय का निर्यात जनवरी से अगस्त के बीच 2.2 प्रतिशत बढ़कर 17.44 करोड़ किलोग्राम हो गया। पिछली साल इसी अवधि में यह 17.06 करोड़ किलो रहा था। चाय बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 11.31 करोड़ किलो रहा, जबकि पिछली साल इसी अवधि में यह 9.91 करोड़ किलो था। दक्षिण भारत से 2025 के पहले आठ महीनों के दौरान निर्यात की मात्रा 6.128 करोड़ किलो रही जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 7.14 करोड़ किलोग थी। जनवरी से अगस्त 2025 के दौरान निर्यात का मूल्य 5143.56 करोड़ रुपये रहा जो 2024 की इसी पिछली अवधि में 4461.95 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 में चाय का निर्यात 25.78 करोड़ किलोग्राम रहा था।

ओला इलेक्ट्रिक बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली क्षेत्र में प्रवेश करेगी

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने देश के बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली बाजार में प्रवेश करने की गुरुवार को घोषणा की। कंपनी ने अपना पहला आवासीय बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) समाधान ओला शक्ति पेश किया है। देश के बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली बाजार के 2030 तक बढ़कर तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाने का अनुमान है। ओला इलेक्ट्रिक के एक प्रमुख अ?धिकारी ने कहा ?कि भारत को ऊर्जा की कमी का सामना नहीं करना पड़ रहा है; बल्कि वह ऊर्जा भंडारण के अवसर को देख रहे हैं। ओला शक्ति के साथ हम उस अवसर को ऊर्जा स्वतंत्रता में बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने इलेक्ट्रिक परिवहन के लिए विश्व स्तरीय बैटरी एवं सेल प्रौद्योगिकी का निर्माण किया है। ओला शक्ति इस नवाचार को घरों तक पहुंचाती है, जिससे उन्हें स्वच्छ ऊर्जा को समझदारी से संग्रहीत और उपयोग करने में मदद मिलती है।

एलारा सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में दावा

घरेलू बचत में बदलाव भारत के आर्थिक भविष्य की दिशा तय करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। एलारा सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के लिए घरेलू बचत को उत्पादक संपत्तियों की ओर निर्देशित करना आवश्यक है। ब्रोकरेज का अनुमान है कि भारत की सकल वित्तीय बचत आने वाले वर्षों में तीन गुना से अधिक बढ़ सकती है, और यह देश की जीडीपी का लगभग 11 से 12 प्रतिशत हिस्सा बन सकती है। भारत की दुनिया की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की महत्वाकांक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश अपने घरों की बचत को कितनी प्रभावी ढंग से उत्पादक संपत्तियों में लगाता है। यह बात एलारा सिक्योरिटीज की हालिया रिपोर्ट में कही गई है।

आने वाले वर्षों में बदलाव की संभावना: रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में घरेलू बचत की संरचना में बड़ा परिवर्तन हो रहा है। यह बदलाव अनुकूल जनसांख्यिकी, सरकारी सुधार, आर्थिक नीतियां और मजबूत डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा समर्थित है। ये सभी कारक आने वाले वर्षों में भारतीय घरों के बचत और निवेश के तरीके में स्पष्ट बदलाव लाने की संभावना रखते हैं।

अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की स्थिति: रिपोर्ट ने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के लिए घरेलू बचत को उत्पादक संपत्तियों की ओर निर्देशित करना आवश्यक है।

सर्राफा बाजार की राय

धनतेरस और दिवाली में जानबूझकर बनाई जा रही चांदी की किल्लत

मुंबई ■ एजेंसी

व्यापारिक अधिकारियों और विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी एक्सचेंज ट्रेडड फंड्स (ईटीएफ) और भौतिक बार व सिक्कों की बढ़ती निवेश मांग के बीच चांदी की कीमतें आसमान पर पहुंच गई है। बावजूद इसके बाजार में चांदी की खरीदारी सामान्य रूप से हो रही है।

चांदी में त्योहारी महीने में जोरदार तेजी जारी है, जो दिवाली सप्ताह से पहले लगातार बढ़ रही है। 14 अक्तूबर, 2025 को 10 ग्राम चांदी की कीमत पिछले दिन से बढ़कर 1,890 रुपये हो गई। यह तेजी 13 अक्तूबर, 2025 को देखी गई इसी। इस तेजी को देखते हुए निवेशकों और आम उपभोक्ताओं ने चांदी की खरदारी शुरू कर दी है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में मुंबई के सराफा बाजार में चांदी की शॉर्टज देखने को मिली। गुरुवार को मुंबई के जावेरी बाजार में चांदी खरीदने आए उपभोक्ताओं को खाली हाथ जाना पड़ा, क्योंकि बाजार चांदी की सीमित होने की वजह से डिलीवरी दो से तीन दिन में देने की बात कही। चांदी के बर्तन तो उपलब्ध थे लेकिन बार और कॉइन नहीं थे। बाजार के जानकर कहते तेजी की वजह से रिटेलर मुनाफा कमाने के लिए भी चांदी की सिमिता दिखाकर 20 से 25 हजार अतिरिक्त प्रीमियम पर बिक्री की है, जिनके पास चांदी का स्टॉक अधिक था उसने इसका फायदा लिया है।

सर्राफा बाजार में चांदी की शार्टेज नहीं: इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र मेहता ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि वैश्विक स्पॉट मार्केट में मूल्य अधिक होने की वजह से इसका प्रभाव देखा जा रहा था, फिलहाल सर्राफा बाजार में चांदी की कमी नहीं है। बाजार में चांदी की खरीदारी सामान्य रूप से हो रही है। उन्होंने कहा कि सोने और चांदी की कीमतें दोनों ही अपने उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। इसलिए धनतेरस और दिवाली में आभूषणों की बिक्री 25 से 30 प्रतिशत कम होने का अनुमान है, जबकि सोने और चांदी के सिक्कों की मांग बढ़ेगी। सिल्वर इंपोरियम के राहुल मेहता कहते हैं कि चांदी की उपलब्धता सीमित थी, लेकिन बिल्कुल समाप्त नहीं थी, फिलहाल बाजार में चांदी की कमी नहीं है। चांदी की उपलब्धता सीमित होने की खबर के बाद सर्राफा बाजार में उपभोक्ताओं ने जल्दबाजी में 20 से 25 हजार रुपये अतिरिक्त प्रीमियम चुका कर भी चांदी की खरीदारी की है। फिलहाल बाजार में चांदी अब अपने मूल्य पर उपलब्ध है।

दिवाली के बाद चांदी की कीमतों कमी के संकेत: व्यापारिक अधिकारियों और विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी एक्सचेंज ट्रेडड फंड्स (ईटीएफ) और भौतिक बार व सिक्कों की बढ़ती निवेश मांग के बीच चांदी की कीमतें आसमान पर पहुंच गई है।

ताइवान की चिप विनिर्माता कंपनी टीएसएमसी का मुनाफा 40% बढ़ा

हांगकांग। ताइवान की अग्रणी कंप्यूटर चिप विनिर्माता कंपनी टीएसएमसी का मुनाफा जुलाई-सितंबर तिमाही में करीब 40 प्रतिशत बढ़ गया। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर विनिर्माता कंपनी है। जुलाई-सितंबर तिमाही में इसने रिकॉर्ड 452.3 अरब नए ताइवान डॉलर (15 अरब डॉलर) का मुनाफा दर्ज किया, जो विश्लेषकों के अनुमान से कहीं अधिक है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की 40 स्टार प्रचारकों की सूची

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने गुरुवार को अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ 40 नेताओं के नाम शामिल हैं। स्टार प्रचारकों में अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा, नितिन गडकरी, धर्मेन्द्र प्रधान, महामंत्री विनोद तावड़े, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जैसे दिग्गजों के साथ भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह, रवि किशन और दिनेशलाल यादव 'निरहुआ' को भी शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त इस सूची में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, स्मृति ईरानी के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का नाम भी स्टार प्रचारकों में है।

हिंसाचार, दुराचार, भ्रष्टाचार और मिथ्याचार सबसे बड़ी समस्या: भैय्याजी जोशी

हरिद्वार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश जोशी ने कहा कि विश्व ने भारत को जिम्मेदारी दी है कि वह विश्व का शुद्धिकरण करे। भारत का सदा से विश्व को श्रेष्ठ देने का मन रहा है और इसे भारत सदैव देता रहेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसी विचार को लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हिंसाचार, दुराचार, भ्रष्टाचार और मिथ्याचार को सबसे बड़ी समस्या है। अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश जोशी भैय्याजी गुरुवार को यहां आईआईटी रुड़की में प्रमुख जन गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। यह गोष्ठी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में आयोजित की गई थी। गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में भैय्या जोशी ने कहा कि 100 साल की सामाजिक यात्रा में संघ ने विश्व को भारत के उस रूप का बोध कराया है, जिसका जिक्र स्वामी विवेकानंद और महर्षि अरविंदो ने किया था। हजारों साल की जीवन यात्रा से भारत के जीवन मूल्य तय हुए जो सामान्य लोगों के जीवन से आए। जोशी ने हिंसाचार, दुराचार, भ्रष्टाचार और मिथ्याचार को सबसे बड़ी समस्या बताया। युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि भारत को जानो, भारत को मानो और भारत को बनाओ मंत्र का अनुसरण करें। भारत को बनाने में सभी ने भूमिका निभाई। मुगलों के साथ युद्ध में महाराणा प्रताप को भील समाज ने समर्थन दिया। भैय्या जोशी ने कहा कि शौर्य का मतलब दुर्लभ की रक्षा करना है, यही भारत की दृष्टि है।

दिल्ली में 80 दिन तक वैश्विक स्तर के संगीत व सांस्कृतिक समारोह होंगे आयोजित : गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी में आने वाले 80 दिनों में 30 से अधिक बड़े और यादगार भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जो पहले कभी नहीं हुए। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी को इवेंट-फ्रेंडली सिटी बनाने के लिए ही बड़े स्टेडियमों व सभागारों के किराए में प्रभावी कमी की गई है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपग्रेड किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार 'विरासत भी-विकास भी' मंत्र के साथ सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली सचिवालय में गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने यह जानकारी दी।

बिहार विस चुनाव : भाजपा की राह पर राजग के सहयोगी, 183 उम्मीदवार में एक भी मुस्लिम चेहरा नहीं

पटना ■ एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों ने अब तक 182 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इनमें एक भी मुस्लिम नहीं है। अब तक घोषित उम्मीदवारों से साफ है कि राजग के घटक दल भी अब भाजपा की राह पर चल पड़े हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अपने कोटे के सभी 101 उम्मीदवारों के नामों की सूची जारी कर दी। भाजपा ने पहली लिस्ट में 71 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की थी। इसके बाद बुधवार को भाजपा ने 12 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की और फिर बुधवार देररात शेष बचे 18 उम्मीदवारों के नामों की भी घोषणा कर दी। इसी तरह जदयू ने भी 57 उम्मीदवारों की सूची जारी की है, उनमें एक भी मुस्लिम चेहरा नहीं है। लोजपा-आर की 15, हम की 06 और उपेंद्र कुशवाहा की अगुवाई वाली आरएलएम 04 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। इनमें से एक एक भी सीट पर अल्पसंख्यक उम्मीदवार को तव्वजों नहीं दी गई है।

भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की सूची में राजपूत, भूमिहार, ब्राह्मण और वैश्य वर्ग पर अपना राजनीतिक दांव लगाया है। अधिकांश स्थानों पर उम्मीदवार इन्हीं जातियों से चुने गए हैं, जबकि यादव समुदाय के कई नेताओं के टिकट इस बार कट गए हैं। यहां तक कि बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव तक को टिकट नहीं मिला। हालांकि, उसकी क्षतिपूर्ति दानापुर से पूर्व केंद्रीय मंत्री राम कृपाल

यादव को टिकट देकर की गई है।

भाजपा की सूची से यह साफ दिखाई देता है कि जहां-जहां सवर्ण जातियां सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रभावशाली हैं, उन इलाकों में पार्टी ने खुल कर उन्हीं को टिकट दिया है। इसका अर्थ स्पष्ट है कि भाजपा को विश्वास है कि नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सवर्ण उम्मीदवारों को अति पिछड़े वर्ग का समर्थन प्राप्त हो सकता है। यह वर्ग राज्य में लगभग 36 प्रतिशत मतों का हिस्सा रखता है और इन्हें अक्सर चुप्पा वोटर भी कहा जाता है। हालांकि मगध क्षेत्र में चंद्रवंशी समाज राजनीतिक रूप से मुखर है और उन्हें अपनी सक्रियता का लाभ भी मिलता आया है, लेकिन वह प्रभाव उस स्तर का नहीं है जो पिछड़े वर्ग में अग्रणी जातियों को प्राप्त होता है।

जद (यू) की सूची अपेक्षाकृत मिश्रित है, परंतु दोनों दलों ने यादव उम्मीदवारों को सीमित अवसर दिए हैं। अब तक जद (यू) की सूची में एक भी मुस्लिम नेता को टिकट नहीं मिला है। यहां तक कि मंडल आयोग के जनक स्वर्गीय बीपी मंडल के पौत्र का भी टिकट काट दिया गया है। अति पिछड़े वर्ग के वोटों के सहारे मजबूत उम्मीदवार उतारने की रणनीति मूलतः नीतीश कुमार की रही है, जिसे भाजपा ने सन 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पहली बार अपनाया और फिर योगी आदित्यनाथ ने यही फ़ॉर्मूला 2022 में भारी बहुमत के साथ दोहराया। जब दोनों दलों की संपूर्ण सूची जारी होगी, तब यह समझ पाना अधिक स्पष्ट हो सकेगा कि राजग इस बार चुनावी धारा को किस दिशा में मोड़ने की रणनीति बना रही है।

उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों राज्यों में चुनावी जीत का मुख्य आधार अति पिछड़ा वर्ग रहा है। सन 2005 के चुनाव से ही यह वर्ग नीतीश कुमार के साथ मजबूती से जुड़ा रहा है। इस वर्ग में सैकड़ों जातियां आती हैं, परंतु कर्पूरी ठाकुर के निधन के बाद इनका कोई राज्यस्तरीय नेता उभर नहीं पाया।

युद्ध की बदलती प्रकृति को समझने और उसके अनुसार ढलने की आवश्यकता पर जोर

ऑपरेशन सिंदूर भारत की बढ़ती स्वदेशी शक्ति का ज्वलंत प्रमाण है : राजनाथ

मुंबई ■ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को महाराष्ट्र के पुणे में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की बढ़ती स्वदेशी शक्ति का एक ज्वलंत प्रमाण है, जो देश में आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के सरकार के अथक प्रयासों से प्राप्त हुआ है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज पुणे में सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को विश्वास और दृढ़ता जैसे गुणों के महत्व समझा रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि जब सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना शुरू किया, तो आरंभ में यह कठिन लग रहा था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में घरेलू रक्षा विनिर्माण के विस्तार में कोई कसर न छोड़ते हुए पूरी कोशिश की गई। इसी संकल्प के कारण सकारात्मक परिणाम मिलने लगे। उन्होंने कहा कि हमने रक्षा क्षेत्र में बदलाव का संकल्प लिया है क्योंकि देश की स्वतंत्रता के बाद से ही हम हथियारों के लिए दूसरे देशों पर बहुत अधिक निर्भर रहे हैं। हम हथियार खरीदने के आदी हो गए थे क्योंकि हमारे पास भारत में निर्माण करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी थी और हमारे पास रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने संबंधी क़ानून भी नहीं

रक्षा मंत्री ने स्वदेशी हथियारों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पुणे में डीआरडीओ की प्रयोगशाला आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) का निरीक्षण किया। इस मौके पर स्वदेशी रूप से विकसित अत्याधुनिक उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें रक्षा मंत्री जोरावर टैंक पर भी सवार हुए। प्रदर्शनी का निरीक्षण करने के बाद राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलावों, युद्ध की बदलती प्रकृति को समझने और उसके अनुसार ढलने की आवश्यकता पर जोर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति ने आज डीआरडीओ की पुणे स्थित प्रमुख प्रयोगशाला आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) का दौरा किया। इस दौरान समिति ने क्लस्टर की विभिन्न प्रयोगशालाओं में विकसित अत्याधुनिक उत्पादों का निरीक्षण किया। इस मौके पर रक्षा मंत्री जोरावर टैंक पर भी सवार हुए। प्रदर्शनी में उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम, पिनाका रॉकेट सिस्टम, हल्का टैंक जोरावर, पहिएदार बख्तरबंद प्लेटफ़ॉर्म और आकाश-नई पीढ़ी की मिसाइल को दर्शाया गया।

थे। इसमें बदलाव की आवश्यकता थी। अब हमारा संकल्प है कि भारत अपने सैनिकों के लिए स्वदेश में निर्मित हथियार बनाए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी दुनिया ने हमारे सैनिकों की वीरता देखी। उन्होंने कहा कि निर्धारित व्यापक लक्ष्य देश में निर्मित रक्षा उपकरणों के उपयोग से ही हासिल किया है।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सालाना रक्षा उत्पादन 46 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड डेढ़ लाख करोड़ रुपये का हो गया है, जिसमें निजी क्षेत्र का योगदान लगभग 33 हजार करोड़ रुपये का है। उन्होंने वर्ष 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा विनिर्माण लक्ष्य और 50 हजार करोड़ रुपये के निर्यात लक्ष्य हासिल होने का विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों से शैक्षणिक उपलब्धियों से आगे बढ़कर सृजनकर्ता, नवोन्मेषक और राष्ट्रीय विकास में योगदानकर्ता बनने का आह्वान किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सच्ची सफलता केवल शैक्षणिक उपाधि हासिल करने में नहीं, बल्कि सामाजिक लाभ के लिए ज्ञान के सार्थक उपयोग में निहित है।

रक्षा मंत्री ने प्रौद्योगिकी में विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव का उल्लेख करते हुए इस आशंका को निर्मूल बताया कि इससे नौकरी जाने और मानव श्रम की आवश्यकता समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कभी मानव श्रम की जगह नहीं लेगा, बल्कि जो लोग एआई का उपयोग करते हैं, वे उन लोगों की जगह लेंगे जो इसका इस्तेमाल नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक को मानवीय संवेदनशीलता, मूल्यों और नैतिकता का विकल्प नहीं, बल्कि साधन मात्र बनाए रखना चाहिए। राजनाथ सिंह ने युवाओं से तुलनाओं में उलझने की बजाय अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के तहत राजनाथ सिंह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्कूल ऑफ डिफेंस एंड एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी का उद्घाटन किया।

मेहंदी लगे हाथों में हथकड़ी... चार राज्यों में शादी के नाम पर लूटने वाली लुटेरी दुल्हन गिरफ्तार

सीकर ■ एजेंसी

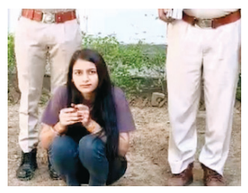

राजस्थान के सीकर जिले की दातारामगढ़ पुलिस ने शादी के नाम पर युवाओं को लूटने वाले एक गैंग का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने उत्तर प्रदेश की रहने वाली च्लुटेरी दुल्हनज् काजल को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। यह वही युवती है, जो अपने माता-पिता, भाई और बहन के साथ मिलकर शादी का झांसा देकर चार राज्यों में कई युवकों को ठग चुकी है।

गिरफ्तारी के वक्त काजल के हाथों में मेहंदी लगी हुई थी। उसके चेहरे पर मुस्कराहट थी। पुलिस का कहना है कि वह अब तक राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में कई युवकों को अपने हुस्न और चालबाज़ी के जाल में फंसा चुकी है।

सीकर जिले के दातारामगढ़ थानाधिकारी जय सिंह बसेरा ने बताया कि 26 नवंबर 2024 को ताराचंद जाट नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने जयपुर के रहने वाले भगत सिंह की बेटियों से अपने दो बेटों की शादी के लिए रिश्ता तय किया था. भगत सिंह ने अपनी बेटियों काजल और तमन्ना की शादी ताराचंद के बेटों भंवरलाल और शंकरलाल से तय की थी।

शादी से पहले भगत सिंह ने तैयारी के नाम पर 11 लाख रुपये पहले लिए. इसके बाद 21 मई 2024 को जयपुर के गोविंद हॉस्पिटल गेस्ट हाउस में दोनों शादियां हिंदू रीति-रिवाज से कराई गईं. शादी के दो दिन तक दोनों दुल्हनें, उनके माता-पिता और भाई वहीं रहे, लेकिन तीसरे दिन गहनों और कपड़ों सहित फरार हो गए।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि यह कोई इत्तेफाक नहीं था, बल्कि पूरे परिवार का रैकेट था. पिता भगत सिंह और बेटा सूरज पहले कुंवारे और सीधे-साधे युवाओं की तलाश करते थे, जिनकी शादी में किसी वजह से अड़चन आ रही हो. फिर परिवार शादी तय करता, रीति-रिवाज से रस्में कराता और दुल्हनें कुछ दिन बाद सबकुछ लेकर फरार हो जातीं।

पुलिस ने पहले भगत सिंह और उसकी पत्नी सरोज निवासी गोवर्धन मथुरा को 18 दिसंबर 2024 में गिरफ्तार किया था, फिर तमन्ना और सूरज को पकड़ा. लेकिन काजल पिछले एक साल से फरार थी और बार-बार ठिकाना बदल रही थी. आखिरकार, मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे गुरुग्राम की एक सोसायटी से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के दौरान काजल पुलिस की गाड़ी में मुस्कुराती रही. वह जींस-टीशर्ट में थी और उसके हाथों में मेहंदी लगी थी. जांच में सामने आया कि वह सोशल मीडिया और मोबाइल चैटिंग के ज़रिए युवाओं को फंसाती थी, उनका भरोसा जीतती और फिर शादी कर उन्हें ठग लेती थी। थानाधिकारी जय सिंह बसेरा के अनुसार, काजल और उसका परिवार एक प्रोफेशनल गैंग की तरह काम करता था. अब तक चार राज्यों में कई केस दर्ज हुए हैं. पुलिस बाकी मामलों की भी जांच कर रही है।

एनडीए का मतलब नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस ही नहीं इसका मतलब नेशनल डेवलपमेंट एलायंस भी है: अनुराग ठाकुर

अररिया (बिहार) ■ एजेंसी

अररिया के कुर्साकांटा सुभाष स्टेडियम में केंद्र सरकार के पूर्व मंत्री एवं हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को सिकटी के भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार मंडल के नामांकन सह आशीर्वाद यात्रा के तहत आयोजित जनसभा में जमकर दहाड़ा।उन्होंने कहा कि एनडीए के मतलब नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस ही नहीं इसका मतलब नेशनल डेवलपमेंट एलायंस भी है।अर्थात जहां एनडीए है वहां विकास है,विश्वास है,सुशासन है,बढ़िया उद्योग है,जनता का राज है,पूरे होते काज हैं,बढ़िया लॉ एंड ऑर्डर है,सुरक्षित बॉर्डर है और युवाओं के हाथ में काम है। अपने संबोधन में सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी के समान ही अररिया में सांसद प्रदीप कुमार सिंह और विधायक विजय कुमार मंडल की जोड़ी है।जिन्होंने मिलकर अररिया में विकास की कई नई गाथा को लिखने का काम किया।अररिया गलगलिया नई रेल लाइन चली तो वंदे भारत और अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें भी चली।सड़क बने तो बिजली मिली।पॉलीटेक्निक कॉलेज से लेकर मेडिकल कॉलेज तक बना। सांसद अनुराग ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार की धरती माता जानकी,भगवान बुद्ध,भगवान महावीर,गुरु गोविंद सिंह की जन्मभूमि के साथ बिहार के वीर सपूतों वाली सैनिकों की धरती है और इस धरती को नमन करते हैं।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के नापाक इरादों के खिलाफ मोदीजी ने भारतीय सैनिकों को खुली छूट दे दी।जिसके परिणाम स्वरूप सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे ऑपरेशन सफल हुए। बिहार में लालू राबड़ी शासनकाल को याद करते हुए श्री ठाकुर ने कहा कि लालू के जंगलराज में सूर्य अस्त,बिहार त्रस्त,जनता पस्त और अपराधी मस्त थे।लेकिन एनडीए के शासनकाल में स्थिति बदली।

एनडीए की सरकार ने विकास की नई लकीर खींची और बिहार आज केंद्र प्रायोजित योजनाओं में सबसे आगे है।

उन्होंने जीविका दीदी को दिए गए दस दस हजार रूपये को लेकर कहा कि जब मोदी और नीतीशजी दस दस हजार रूपये दे सकते हैं तो विश्वास रखिए दो दो लाख रूपये भी दे सकते हैं।

पहलगाम की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि घटना वाले दिन वे पहलगाम गए थे।जहां चोटी पर स्थित शंकराचार्य मंदिर वे पहुंचे।लेकिन भगवान की दया से वे बच गए,लेकिन पर्यटकों से आतंकवादियों ने कलमा पढ़ाया और कलमा नहीं पढ़ पाने वाले पर्यटकों की नृशंसतापूर्वक हत्या कर दी।आतंकवादियों ने देश को धर्म के नाम पर बांटने की साजिश रची थी।लेकिन विपक्ष के नेता चाहे वह कांग्रेस के नेता हो या राजद या सपा के किन्हीं ने भी पाकिस्तान और नापाक इरादों वाले आतंकवादियों का विरोध नहीं जताया।आतंकवादियों ने धर्म के नाम पर बांटने का काम किया। उन्होंने विजय कुमार मंडल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगीजी के आशीर्वाद होने की बात कही। जनसभा को स्थानीय सांसद प्रदीप कुमार सिंह,विधायक सह प्रत्याशी विजय कुमार मंडल समेत स्थानीय एनडीए के नेताओं ने भी संबोधित किया।

हमास को निशस्त्र करने के लिए अमेरिकी सेना की जरूरत नहीं : डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन ■ एजेंसी

गाजा पट्टी में आतंकवादी संगठन हमास और इजराइल के बीच लागू युद्धविराम के सूत्रधार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कहा कि हमास को हर हाल में हथियार छोड़ने होंगे। उन्होंने आश्वस्त होते कहा कि हमास को निशस्त्र कराने के लिए अमेरिकी सेना की जरूरत नहीं पड़ेगी। रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने बुधवार को दोहराया, हम चाहते हैं कि हमास हथियार छोड़ दे। हमास ऐसा करने के लिए सहमत भी हो गया है। अब हमास को ऐसा करना ही होगा। अगर वह ऐसा नहीं करता, तो हम उसे ऐसा करने पर बाध्य कर देंगे। उन्होंने पूरी दृढ़ता के साथ कहा कि अमेरिकी सेना को इसमें शामिल होने की जरूरत नहीं होगी। इससे पहले ट्रंप ने मंगलवार को कहा था उग्रवादी समूह का निशस्त्रीकरण गाजा शांति प्रस्ताव का प्रमुख हिस्सा है। युद्धविराम समझौते के पहले चरण में इस पर जोर नहीं दिया गया। इस बीच दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि इजराइल में अमेरिकी नेतृत्व वाला समन्वय केंद्र (कमांड सेंटर) आने वाले दिनों में शुरू हो जाएगा। यह गाजा में युद्धविराम समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा।

यूट्यूबर एल्विश व सिंगर फाजिलपुरिया के खिलाफ ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

गुरुग्राम। अपने गानों में सांपों का इस्तेमाल कर वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट का उल्लंघन करने के आरोपों में फंसे यूट्यूबर एल्विश यादव और सिंगर राहुल फाजिलपुरिया की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को विशेष पीएमएलए अदालत गुरुग्राम में चार्जशीट दाखिल कर दी। चंडीगढ़ की म्यूजिक कंपनी स्काई डिजिटल को सह-आरोपी बनाया गया। अब ईडी ने पीएमएलए अदालत में दाखिल किए गए आरोप पत्र में कहा है कि स्काई डिजिटल कंपनी इस गैरकानूनी गतिविधि में संलिप्त थी। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि इस गतिविधि से की गई कमाई को प्रॉपर्टी में निवेश किया गया था। इसे देखते हुए ईडी ने उनकी 55 लाख रुपए की संपत्ति अटैच की है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री भवन नियंत्रक विधानसभा
राजधानी संभाग-3
लोक निर्माण विभाग भोपाल
दूरभाष- 0755 2463894
///निविदा सूचना///

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग, उपर्युक्त एन.आई.टी. के लिए संभावित बोलीदाताओं से ऑनलाईन निविदा सह निलामी आमंत्रित करता है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण बेवसाईट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निम्नलिखित कार्य जहां है जैसा एवं जिस स्थिति में के आधार पर किया जाएगा।

स. क्र.	निविदा सूचना क्र.	टेण्डर नं.	कार्य का नाम	आफसेट वैल्यू	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	72/व.ले.लि./ दिनांक 14.10.2025	2025 _CPA _457537_1	विधायक विश्राम गृह परिसर के विभिन्न खण्डों में रखी हुई अनुपयोगी फर्नीचर सामग्री को नीलाम किये जाने कार्य। (समूह-1)	रू. 84,408.00 (रू. चौरासी हजार चार सौ आठ मात्र)	रू. 1688.00	रू. 1000.00
2	73/व.ले.लि./ दिनांक 14.10.2025	2025 _CPA _457538_1	विधायक विश्राम गृह परिसर के विभिन्न खण्डों में रखी हुई अनुपयोगी हाउस सीपिंग सामग्री को नीलाम किये जाने कार्य। (समूह-2)	रू. 85.770.00 (रू. पिच्यासी हजार सात सौ सत्तर मात्र)	रू. 1715.00	रू. 1000.00

निविदा के विस्तृत दस्तावेज एवं नियम व शर्तें वेबसाईट **https://mptenders.gov.in** से नि:शुल्क डाउनलोड की जा सकती है। निविदाकार को निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि केवल ई-भुगतान के माध्यम से ऑनलाईन ही जमा करना होगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 24.10.2025 सांय 5:30 बजे से 04.11.2025 सांय 5.30 तक निर्धारित है। आनलाईन निलामी की प्रारंभ तिथि दि. 7.11.2025 सुबह 10:30 बजे से एवं अंतिम तिथि दि. 10.11.2025 सांय 5:30 बजे तक निर्धारित है। किसी प्रकार के परिवर्तन/संशोधन का प्रचार प्रसार केवल उपरोक्त वेबासईट पर ही किया जावेगा।

निविदा से प्राप्त सभी बिड/प्रस्ताव को स्वीकृत अथवा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग के पास सुरक्षित रहेगा।

कार्यपालन यंत्री,
भवन नियंत्रक विधानसभा
राजधानी संभाग क्र.3
लोक निर्माण विभाग भोपाल
दूरभाष- 0755-2463894

G-20222/25

कार्यालय थाना प्रभारी थाना हनुमानगंज भोपाल
फोन नं. 7587601742 E-Mail pshanumanganj@gmail.com
क्र./थाप्र/हनुमानगंज/मर्ग. क्रं. 24/25 **दिनांक 31.10.25**

जाहिर सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है की थाना हनुमानगंज भोपाल में

मर्ग क्रं. 24/25 में अज्ञात मृतक उम्र करिबन 60 साल जो खजूर वाली दुकान के पास मृत अवस्था में मिला जिसका हुलिया चेहरा चेहरा लम्बा, रंग गेहुआ, दाड़ी मूछे बड़ी, दाहिने हाथ की कलाई में गुदा हुआ नाम लिखा है जो स्पष्ठ नहीं दिख रहा है। के परिजनों के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त होती है तो थाना हनुमानगंज भोपाल के दूरभाष क्रं. 7587601742 व जांचकर्ता प्रआर 967 प्रदीप पदम के मो. नं. 7049105321 पर सूचित करे।

थाना प्रभारी
थाना हनुमानगंज भोपाल

G-20160/25

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
संभाग क्रमांक-1, जी.टी.बी. कॉम्पलेक्स, न्यू मार्केट, भोपाल (म.प्र.)
(का.) 0755-4204217, ई-मेल: eedn1hbbpl@mp.gov.com

आम-सूचना

हाउसिंग पार्क कॉलोनी, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित भवन क्र.-डीलक्स एच.आई.जी.-19 मंडल द्वारा श्री मनोज कुमार मजोका आत्मज श्री भोजराज मजोका के नाम से आवंटित है। उनके द्वारा आवेदन प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्री मोहम्मद आकिल आत्मज श्री सैय्यद इकबाल अहमद को हस्तांतरण किये जाने हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया है।

उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/संस्था को इस में कोई आपत्ति हो तो विज्ञापित प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रुप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मंडल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.पर. गृह निर्माण एवं अधोसरचना
विकास मंडल संभाग क्रमांक-1, भोपाल

दीपावली पर्वः बाजारों में आए नये-नये मिट्टी दीए।

दीपावली पर्व को लेकर राजधानी में साज-सजावट अंतिम चरण में पहुंच चुका है। खरीददारों को आकर्षित करने के उद्देश्य से दुकानों पर विशेष सजावट की गई है।

धनतेरस पर कल होगी धन वर्षा

1000 करोड़ का कारोबार

न्यू मार्केट और सर्राफा चौक के प्रति खरीददारों का विश्वास ज्यादा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

दीपोत्सव का स्वागत करने के लिये राजधानी में बेसब्री से इंतजार हो रहा है। शहर का हर कोना दीपावली को लेकर अति उत्साहित हो चुका है। कारोबार जगत में बड़े पैमाने पर उछाल आ चुका है। व्यापारियों के चेहरे खिल रहे हैं तो आम जनता भी खरीददारी करने में बिल्कुल पीछे नहीं है। कारोबार के ग्राफ को देखा जाऐ तो मंहगाई औंधे मुंह गिर चुकी है। सूत्रों के मुताबिक धनतेरस और दीपावली के शुभ अवसर पर प्रदेश की राजधानी भोपाल में 1000 करोड़ का करोबार होने का अनुमान है। इतने बड़े करोबार में सर्व प्रथम सोन-चांदी और हीरे जवाहरात के आभूषणों के साथ ही छोटे-बड़े वाहनों, वस्त्र, वर्तन, इलैक्ट्रिक सामान, सजावट, कॉसमैटिक सामग्री, मिठाईयॉ, पटाखे, फूल, दीये, पूजन सामग्री सहित अनेक सामग्री शामिल हैं। बड़े पैमाने पर भांति-भांति प्रकार की मिठाईयां और एक से बढ़कर एक महंगे फटाखे धनतेरस से लेकर ग्यारस तक खरीदे जाते हैं। कल यानि 18 को धनतेरस और 20 अक्टूबर को दीपावली पर्व मनाया जाएगा। धनतेरस और दीपावली के चलते बाजारों में खरीददारों की अपार भीड़ देखने को मिल रही है। दुकानदारों का पूरा प्रयास है कि उनके प्रतिष्ठानों में खरीददारी के लिये आने वाले ग्राहकों के साथ किसी प्रकार की घटना न घटे इसलिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। बाजारों में भीड़ को देखते हुये प्रशासन ने भी सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता इन्तजाम किये हैं। सूत्रों का कहना है कि, पहले की अपेक्षा अब राजधानी का चहुंमुखी विकास हो चुका है। ऐसे में न्यू मार्केट, सर्राफा चौक, बैरागढ़, कोलार, 10 नम्बर मार्केट और भेल आदि क्षेत्रों में व्यवसाय ने गति पकड़ी है। अब हर सामान हर जगह खासकर सभी रहवासी इलाकों में उपलब्ध होने लगी है। क्यों कि अधिकांश रहवासी कॉलोनियों में व्यवसायिक प्रतिष्ठान स्थापित हो चुके हैं। परन्तु न्यू मार्केट और सर्राफा चौक की प्रतिष्ठता में कोई कमी नहीं आई है। आज भी शहर का एक बड़ा हिस्सा न्यू मार्केट तथा सर्राफा चौक पर अटूट विश्वास रखता है और यहीं से खरीददारी करने में वह संतुष्ट होते हैं।

"बाजारों का अनुमानित कारोबार"

न्यू मार्केट	150 करोड़
चौक बाजार	300 करोड़
बैरागढ़	350 करोड़
कोलार	50 करोड़
गोविन्दपुरा-भेल	50 करोड़
10 नम्बर मार्केट	50 करोड़
अन्य बाजार	50 करोड़

मध्यप्रदेश में अगले तीन दिन बारिश का अलर्ट!

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश में अगले तीन दिन बारिश के आसार है। प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। कुछ जगहों पर बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन तेज बारिश की चेतावनी कहीं भी नहीं है। आइए एक नजर डालते है मौसम के ताजा हाल पर ज

मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पूर्वी अरब सागर और उससे लगे लक्षद्वीप क्षेत्र पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। 19 अक्टूबर तक कम दबाव के क्षेत्र में बदलने की संभावना है। वहीं हवाओं का रुख पूर्वी बना हुआ है। जिससे बादल छाए हुए हैं और कहीं-कहीं हल्की

बूंदाबांदी भी हो रही है। इस बीच प्रदेश में ठंड ने भी दस्तक देने शुरू कर दी है। एमपी के 15 शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात खंडवा में सबसे कम 16 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं दिन का सबसे अधिक 34.2 डिग्री सेल्सियस तापमान खजुराहो में रिकॉर्ड किया गया।

इन जिलों में बारिश के आसार

शुक्रवार और शनिवार (17-18 अक्टूबर) को इंदौर, उज्जैन, जबलपुर नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, खंडवा, झाबुआ, धार, आलीराजपुर, खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर, देवास, आगर मालवा, नीमच, देवास, शाजापुर, रतलाम, बैतूल, हरदा, कटनी, सिवनी, नरसिंहपुर, डिंडोरी, बालाघाट और मंडला में बारिश होने की संभावना है। आपको बता दें कि चार दिन पहले ही पूरे प्रदेश से मानसून की विदाई हो चुकी है।

सीएम आवास पर कल किसान सम्मेलन

भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के किसान होंगे शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को सीएम आवास पर किसान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में नर्मदापुरम, भोपाल, सीहोर, राजगढ़, रायसेन एवं विदिशा जिले से लगभग 2500 किसान शामिल होंगे। सम्मेलन में किसानों को भावांतर योजना के संबंध में जानकारी दी जाएगी एवं योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। योजना अंतर्गत किसान 24 अक्टूबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक मंडी में फसल बेच सकेंगे। किसानों को 15 दिवस में भावांतर की राशि उनके आधार लिंक बैंक खातों में सीधे अंतरित की जाएगी। भावांतर योजना के ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन 17 अक्टूबर तक होंगे।

भोपाल की बेटियां पीएम मोदी की मौजूदगी में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में देंगी बैंड प्रस्तुति

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के सेंट जोसेफ कॉन्वेंट ईदगाह हिल्स स्कूल की बालिकाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में अपने सुरों का जादू बिखेरेंगी। राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में आयोजित होने वाले इस समारोह में यह टीम मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। स्कूल शिक्षा विभाग की राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता में प्रथम और राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस टीम को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया है। बालिका वर्ग में भोपाल की टीम और बालक वर्ग में राजस्थान की टीम संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में प्रस्तुति देंगी।

सरदार पटेल की 150 वीं जयंती

यह कार्यक्रम लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। 30 बालिकाओं की बैंड टीम प्रशिक्षक रसिक नागर पांडेय के नेतृत्व में 23 अक्टूबर को गुजरात रवाना होगी। टीम हिंदी, गुजराती, अंग्रेजी, स्पेनिश और जर्मन धुनों की प्रस्तुति देगी। स्कूल की प्राचार्य सिस्टर लिली ने कहा कि यह अवसर भोपाल और पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है।

भोपाल को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने का अभियान शुरू

एमपी नगर में भीख मांग रही महिलाओं को चेतावनी देकर घर भेजा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी को भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाने एम.पी. नगर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। यह कार्यवाही कलेक्टर कार्यालय में आयोजित भिक्षावृत्ति उन्मूलन संबंधी बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में की गई। एसडीएम एम.पी. नगर एल.के. खरे के नेतृत्व में एसीपी मनीष भारद्वाज तथा संयुक्त टीम ने व्यापमं चौराहे सहित आसपास के इलाकों में भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों के विरुद्ध सघन कार्रवाई की। इस दौरान राजस्थान से आए भिक्षुकों को समझाइश दी गई और उन्हें अपने गृह राज्य लौटने का आग्रह किया गया। वहीं, भिक्षावृत्ति में संलग्न महिलाओं को चेतावनी देकर उनके घर भेजा गया।

एसडीएम खरे ने कहा कि भिक्षावृत्ति उन्मूलन केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता से जुड़ा अभियान है। हमारा उद्देश्य भोपाल को पूर्णतः भिक्षामुक्त बनाना है, जिसके लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यह अभियान सतत रूप से जारी रहेगा और भविष्य में भी ऐसे विशेष अभियान शहर के विभिन्न हिस्सों में संचालित किए जाएंगे। अभियान के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

बस का किराया नियत राशि से ज्यादा लिया तो खैर नहीं

दीपावली पर एक्शन में परिवहन मंत्री

भोपाल ■ अमृत दर्शन

दीपावली के त्योहारी सीजन को देखते हुए परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बस ऑपरेटरों द्वारा यात्रियों से निर्धारित टिकट किराए से अधिक वसूली करने की शिकायतों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। परिवहन विभाग को सभी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए कि बसों की जांच के दौरान स्टाफ वर्दी में रहे और बॉडीवॉर्न कैमरों का उपयोग करे। क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय और जिला परिवहन अधिकारियों को अपने-अपने जिलों में ऑटोमेटिक टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) की नियमित जाँच करने के लिए कहा गया है।

बिना वैध बीमा, ओवरलोडिंग, ओवरस्पीडिंग या अन्य अनियमितताओं वाली बसों के परमिट की जांच की जाएगी।

वहीं स्टेज कैरिज वाहनों में लाइसेंस प्राप्त कंडक्टर की उपस्थिति अनिवार्य होगी। स्लीपर कोच बसों में प्रवेश-निर्गम और स्लीपर ले-आउट निर्धारित मानकों के अनुसार होने चाहिए।

मिलावटखोरी पर नकेल कसने के लिए टीम ने सघन निरीक्षण अभियान चलाया

दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

2 क्विंटल मावा जब्त

मौके पर ही की गई मिलावट की जांच

भोपाल ■ अमृत दर्शन

दीपावली से पहले मिलावटखोरी पर नकेल कसने के लिए भोपाल में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सघन निरीक्षण अभियान चलाया। चलाए गए इस अभियान में जुमेराती क्षेत्र स्थित देवेंद्र मावा भंडार से 2 क्विंटल मावा जब्त किया गया और नमूने जांच के लिए भेजे गए। इसके अलावा इतमारा क्षेत्र की सांवरिया स्वीट्स से मावा, मावा बर्फी और पनीर, तथा कुंदन नमकीन से लोंग सेव, बेसन और तेल के नमूने भी जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से 10 नंबर और 6 नंबर मार्केट में भी कार्रवाई की गई, जहां से मावा, पनीर, बेसन लड्डू, चांदी का वर्क और खाद्य रंग जैसे उत्पादों के नमूने लेकर मौके पर ही उनकी जांच की गई।

आमजन तक शुद्ध मिठाई ही पहुंचे

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा पूरे प्रदेश में दीपावली को ध्यान में रखते हुए मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ यह सघन अभियान चलाया जा रहा है। आमजन तक शुद्ध मिठास पहुंचे, इसी उद्देश्य से यह कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव, अरुणेश कुमार पटेल, भोजराज धाकड़, साधना सक्सेना, पूजा शाक्या, वर्षा व्यास, जेपी लववंशी और एमएफटीएल के केमिस्ट अभिषेक तिवारी शामिल रहे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर, 6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195, आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल। मोबाईल नं. 9827054436।